RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः272, रविवार, 12 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई खेल प्रतियोगिता 03

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गयी 04

कृति सेनन की हल्दी रस्म में लहूलूहान होकर पहुंचे धनुष, तेरे इश्क में का टीजर... 07

नागपुर की तर्ज पर संवरेगा ग्वालियर का नौरोगेज म्यूजियम

- सिंधिया के बाद रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्वालियर के तानसेन रोड पर स्थित नैरोगेज म्यूजियम को संवारने का काम जल्द शुरू हो सकता है। कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया ने इस म्यूजियम का निरीक्षण किया था। वहीं, अब रेलवे बोर्ड की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हेरिटेज आशिमा मेहरोत्रा और डिप्टी डायरेक्टर हेरिटेज राजेश कुमार ने भी म्यूजियम का दौरा किया है। बीजेपी नेता सुधीर गुप्ता ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार को ज्ञापन सौंपा है। इस म्यूजियम को नागपुर के नैरोगेज म्यूजियम की तर्ज पर बनाने का आग्रह किया गया था। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने इस ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए म्यूजियम का निरीक्षण किया है। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आशिमा मेहरोत्रा ने नैरोगेज हेरिटेज संग्रहालय के साथ ही लोको शेड का भी निरीक्षण किया। आशिमा मेहरोत्रा के अनुसार, इस हेरिटेज बिल्डिंग को रेनोवेशन की जरूरत है। इसे संग्रहालय के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए बिल्डिंग में संचालित होने वाले एडीईएन, एडीईई तथा एसीएम आफिस को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया जाएगा। सिंधिया स्टेट के दौर में 1885 में निर्मित नैरोगेज म्यूजियम ऐतिहासिक महत्व रखता है। हेरिटेज बिल्डिंग के पास जीर्ण-शीर्ण क्वार्टर को हटाकर वहां म्यूजियम का विस्तार किया जा सकता है। पर्यटक स्थल की तरह यह विस्तार नागपुर नैरोगेज हेरिटेज म्यूजियम की तरह होगा। नैरोगेज म्यूजियम के अलावा रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने घोसीपुरा से लेकर मोतीझील तक नैरोगेज ट्रैक का भी निरीक्षण किया। काफी समय से ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है।

बंगाल में फिर रेप, तीन लोगों ने की दरिंदगी

- दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट को कैंपस के बाहर से घसीटकर ले गए
- जंगल मे दिया वारदात को अंजाम, साथ में दोस्त था,वह भाग गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ शुक्रवार को गैंगरेप हुआ। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय 3 लोगों ने उनका रास्ता रोका। छात्रा का दोस्त उसे छोड़कर भाग गया, जिसके बाद आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। छात्रा रात करीब 8.30 से 9 बजे बाहर गई थी। रात करीब 10 बजे वापस लौटते समय गैंगरेप की घटना हुई। छात्रा के माता-पिता को देर रात मामले की जानकारी दी गई। वे आज सुबह दुर्गापुर पहुंचे और दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। छात्रा बोली-

आरोपियों ने फोन वापस करने के लिए पैसे मांगे पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने बताया कि जब तीन लोगों ने उसका रास्ता रोका, तो उसका दोस्त उसे अकेला छोड़कर चला गया। फिर आरोपियों ने उसका फोन छीन लिया और उसे जंगल में ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ रेप किया। आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर छात्रा को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। फिर उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने पीड़ित छात्रा का बयान दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि कल रात पीड़ित की दोस्त से भी पूछताछ की गई है। सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी। अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से भी पूछताछ हो रही है। छात्रा के पिता बोले- कॉलेज में सुरक्षा नहीं है।

दीवाली से पहले 42 हजार करोड़ की कृषि योजनाओं का तोहफा

- पीएम बोले-पहले की सरकारों ने किसानों को अपने हाल पर छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। पीएम मोदी ने दिल्ली के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से 42000 करोड़ रुपये की योजनाओं का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने किसानों को बड़ी सौगात देते हुए 24000 करोड़ रुपये वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ के दलहन उत्पादकता मिशन का शुभारंभ किया है। दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज पीएम धन-धान्य कृषि योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना में सरकार के 36 योजनाओं को एक साथ जोड़ जा रहा है।

- **किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी दोनों योजनाएं**- दिल्ली के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से किसानों के लिए एक साथ दो योजनाओं को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि इन योजनाओं पर सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है।
- **दूध उत्पादन में नंबर वन भारत,दलहन आत्मनिर्भरता मिशन**- पीएम मोदी ने आगे कहा, बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत सुधार किए गए। जिसके परिणामस्वरूप आज दूध उत्पादन में भारत नंबर एक पर है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। भारत में शहद उत्पादन 2014 की तुलना में दोगुना हो गया है। देश में 6 बड़ी फर्टिलाइजर फैक्ट्रियां बनाई गई हैं। 25 करोड़ से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को दिए गए हैं। 100 लाख हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई की सुविधा पहुंची है। पीएम फसल बीमा योजना से करीब 2 लाख करोड़ रुपए क्लेम के रूप में किसानों को मिले हैं। बीते 11 वर्षों में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पाद संघ एफपीओ बने। पीएम मोदी ने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की भी शुरुआत कर दी है।

आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में बन सकती थी

भागवत बोले-यहां पहले से त्याग और समाज सेवा की है भावना

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ मोहन भागवत ने कहा, देश में कई लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिंदू एकता की बात करते थे, लेकिन आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में ही बन सकती थी। यहां पहले से ही त्याग और समाज सेवा की भावना थी।

उन्होंने कहा- आरएसएस ने हाल ही में दशहरे पर अपने 100 साल पूरे किए। इसकी स्थापना साल 1925 में नागपुर में डॉ. हेडगेवार ने की थी। संगठन का उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरुकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था।

शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की स्थापना अपने लिए नहीं, बल्कि ईश्वर,

धर्म और राष्ट्र के लिए की थी। उन्होंने लोगों को एक महान उद्देश्य के लिए जोड़ा। उनकी एकता की भावना ने समाज को ताकत दी। जब तक उनके आदर्श जीवित रहे, तब तक समाज में प्रगति और विकास होता रहा। उनके विचारों ने आगे चलकर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम तक को प्रेरित किया।

संघ चीफ ने कहा कि ब्रिटिश शासन ने योजनाबद्ध तरीके से उन प्रतीकों और परंपराओं को खत्म करने की कोशिश की, जो भारतीयों को एकजुट करती थीं। इसलिए इतिहास से सीखें और उन लोगों की निस्वार्थ भावना को याद रखें, जिन्होंने समाज और देश के हित के लिए काम किया। 2 अक्टूबर को विजयादशमी के मौके पर संघ के शताब्दी समारोह (100 वीं) पर मोहन भागवत ने कहा था कि पहलगाम हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की।

हमारी सरकार और सेना ने इसका जवाब दिया। इस घटना से हमें दोस्त और दुश्मन का पता चला। उन्होंने कहा था कि हमें अंतरराष्ट्रीय संबंधों में समझ रखनी होगी। पहलगाम घटना हमें सिखा गई कि भले ही हम सभी के साथ दोस्ती का भाव रखते हैं और रखेंगे, लेकिन हमें अपनी सुरक्षा के प्रति और अधिक सजग, समर्थ रहना पड़ेगा। भागवत ने 41 मिनट के भाषण में समाज में आ रहे बदलाव, सरकारों का रवैया, लोगों में बेचैनी पर बात की। संघ प्रमुख ने कहाकि आरएसएस ने देश के लिए कई तरह की कुर्बानियां दी हैं।

पहले सिंधु समझौता रद्द किया, अब दिया दूसरा झटका

- चिनाब नदी पर सावलकोट प्रोजेक्ट को मिल गई मंजूरी
- पाक के बुरे दिन तय, नदियों के जल पर बढ़ेगा टकराव

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चेनाब नदी पर बनने वाले 1856 मेगावॉट के सावलकट जलविद्युत परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है। यह परियोजना रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम मानी जा रही है, खासकर ऐसे समय में जब भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वाटर ट्रीटी यानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है। करीब चार दशक से अटकी यह परियोजना अब फिर से गति पकड़ने जा रही है। इसे राष्ट्रीय

जलविद्युत निगम दो चरणों में बनाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 31,380 करोड़ रुपये है और इसके तहत चेनाब नदी के जल का उपयोग रामबन, रियासी और ऊधमपुर जिलों में किया जाएगा। सावलकट परियोजना में 192.5 मीटर ऊंचा रोलर-कंपैक्टेड ग्रेविटी डैम बनाया जाएगा। इसके साथ ही एक अंडरग्राउंड पावरहाउस (भूमिगत विद्युत गृह) स्थापित किया जाएगा, जिसमें मशीन हॉल, टर्बाइन और जेनरेटर जैसी मुख्य इकाइयां होंगी।

- **1960 की संधि और भारत का अधिकार**- 1960 में साइन की गई इंडस वाटर ट्रीटी के तहत तीन पूर्वी नदियां- रावी, ब्यास और सतलुज भारत को दी गई थीं, जबकि तीन पश्चिमी नदियां- सिंधु, झेलम और चेनाब पाकिस्तान को आवंटित की गईं। हालांकि, भारत को इन पश्चिमी नदियों के जल का सीमित उपयोग गैर-उपभोगी कार्यों जैसे रन-ऑफ-द-रिवर हाइड्रोपावर उत्पादन, नौवहन और मत्स्य पालन के लिए करने की अनुमति है। भारत ने पहलगाम हमले के बाद इस संधि को निलंबित कर दिया था।

तेजस्वी-राहुल का गेम बिगाड़ेंगे ओवैसी!

- 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी,पहले से 5 गुना ज्यादा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडिया (महागठबंधन) से इतर एक तीसरे मोर्चे की पहल ऑल इंडिया

मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की ओर से की जा रही है, जिसकी कमान पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने खुद संभाली है। एआईएमआईएम ने शनिवार को कहा कि वह आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में लगभग 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, जो पिछले चुनावों में लड़ी गई सीटों से पांच गुना ज्यादा है। पार्टी के इस ऐलान के बाद तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का गेम बिगड़ सकता है।

इससे अल्पसंख्यक वोटों में बंटवारा होने की संभावना है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने दावा किया कि उसका लक्ष्य बिहार में एक तीसरा विकल्प तैयार करना है, जहां वर्षों से राजनीति भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस-राजद गठबंधन के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

- **सीमांचल की पांच सीटों पर मिली थी जीत**- एआईएमआईएम ने 2015 में पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाई थी। पार्टी ने सीमांचल की छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि, किशनगंज के कोचाधामन विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान को करीब 37 हजार वोट मिले थे, जो कुल मतों का लगभग 26 प्रतिशत था।

भारत ने सस्ता तेल देने वाले मित्र रूस से निभाई दोस्ती

- हिंदुस्तान के मोबिल से ताकत पा रहे सुखोई फाइटर जेट, यूक्रेनी लाल

मॉस्को/कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के एक थिंक टैंक ने आरोप लगाया है कि भारत, रूसी लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने वाले तेल की सप्लाई कर रहा है। ब्रिटिश अखबार द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट में कीव स्थित एक थिंक टैंक के हवाले से दावा किया गया है कि दिल्ली और मुंबई स्थित आधा दर्जन से ज्यादा भारतीय कंपनियों, आपूर्तिकर्ताओं और निर्माताओं ने 2024 में रूस को ईंधन एडिटिव की सप्लाई की है। थिंक टैंक इकोनॉमिक सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ यूक्रेन ने आरोप लगाया है, कि भारत अब रूस के लड़ाकू विमानों के लिए उपयोग होने वाले ईंधन एडिटिव का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि दिल्ली और मुंबई स्थित आधा दर्जन से ज्यादा भारतीय कंपनियों ने 2024 में रूस की तरफ से खरीदे गये ईंधन एडिटिव के लगभग आधे हिस्से की आपूर्ति की है। इन एडिटिव्स का इस्तेमाल एविएशन ईंधन में किया जाता है,ताकि विमानों की क्षमता बेहतर हो।

अफगानी मंत्री की प्रेस कान्फ्रेंस में सियासी कोहराम

- महिला पत्रकारों की रोक पर बवाल, विपक्ष हो गया लाल
- प्रियंका बोलीं-महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी से पूछा- भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रीढ़ और गौरव हैं। वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एंबेसी में हुई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा- जब अफगानिस्तानी मंत्री दिल्ली आए तो मुंबई स्थित अफगानिस्तान के काउंसिल

जनरल ने ही 10 अक्टूबर को चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रण भेजा था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं। भारत दौरे पर अफगानी मंत्री, सिर्फ पुरुष पत्रकारों से बात की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों की मीटिंग के बाद कोई जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी मंत्री ने अकेले अफगानिस्तान दूतावास में मीडिया से बात की। हालांकि, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी ही शामिल हुए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक भी महिला पत्रकार नहीं थी। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें एंट्री ही नहीं दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुत्ताकी के साथ आए तालिबान अधिकारियों ने ही ये तय किया था कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कौन शामिल होगा।

राहुल समेत कई विपक्ष नेताओं ने पीएम पर निशाना साधा

राहुल गांधी-पीएम मोदी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंचों से बाहर रखने की इजाजत देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को यह बता रहे होते हैं कि आप बहुत कमजोर हैं और उनके लिए खड़े नहीं हो सकते। इस तरह के भेदभाव पर आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों की खोखलीपन को उजागर करती है। पी चिदंबरम- मुझे इस बात पर हैरानी है कि अफगानिस्तान के अमीर खान मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल नहीं किया गया। मुझे लगता है कि जब पुरुष पत्रकारों को पता चला कि उनकी महिला सहकर्मियों को नहीं बुलाया गया है, तो उन्हें बाहर चले जाना चाहिए था। महुआ मोइत्रा-एक भारतीय मुस्लिम अपनी छत पर नमाज नहीं पढ़ सकता, पैगंबर से प्यार का इजहार नहीं कर सकता है, लेकिन एक विदेशी मुस्लिम कट्टरपंथी अपनी आस्था के नाम पर हमारी जमीन पर हमारी औरतों के साथ हमारे कानूनों और मूल्यों का उल्लंघन करते हुए भेदभाव कर सकता है। इसके बारे में जरा सोचिए।

संक्षिप्त समाचार

राज्य में 4 दिनों तक सामान्य रहेगा मौसम, दिन में धूप तो रात में लगेगी हल्की ठंड

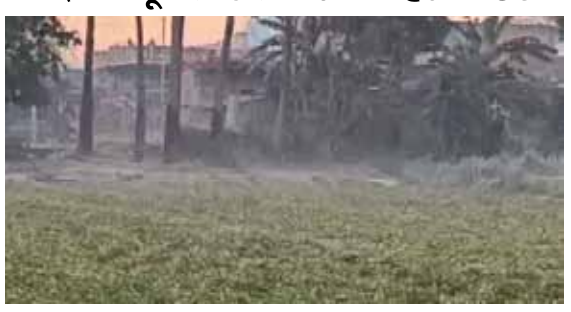

पटना। दक्षिण-पश्चिम मानसून अब विदाई की ओर है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक-दो दिनों में बिहार से मानसून की औपचारिक वापसी हो जाएगी। इस समय राज्य के सभी जिलों में मौसम सामान्य बना हुआ है और कहीं भी बारिश की कोई संभावना नहीं जताई गई है। मानसून की रवानगी के इस दौर में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी और रात के तापमान में मामूली गिरावट देखी जा रही है। शुक्रवार को पूरे बिहार में मौसम शुष्क रहा। सुबह से ही तेज धूप निकली और दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया। पटना में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि धूप की तीव्रता के बावजूद हवा में हल्की नमी बनी रही, जिसके कारण उमस अधिक महसूस हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जो समुद्र तल से डेढ़ किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। उत्तर-पश्चिमी उत्तरप्रदेश और उसके आसपास पश्चिमी विक्षोभ का असर देखा जा रहा है, जिसकी ऊंचाई 1.5 से 4.5 किलोमीटर तक मापी गई है। इसके अलावा उत्तरी ओडिशा और आसपास क्षेत्रों में बना चक्रवातीय परिसंचरण अब कमजोर पड़ चुका है। इन सिस्टमों का असर बिहार पर फिलहाल नहीं पड़ रहा है, जिससे यहां का वातावरण स्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 3-4 दिनों के लिए साफ संकेत दिए हैं कि बिहार के ज्यादातर जिलों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। दिन में हल्की गर्मी और धूप बनी रहेगी, जबकि रात में हल्की ठंडक महसूस होगी। पश्चिमी और उत्तरी जिलों में सुबह-शाम की हवा में हल्की सिहरन शुरू हो सकती है, लेकिन फिलहाल ठंड का असर शुरू होने में अभी समय है। किसानों के लिए यह मौसम फसल कटाई और खेत की तैयारियों के लिए अनुकूल माना जा रहा है। चूंकि बारिश की संभावना खत्म हो चुकी है, इसलिए ग्रामीण इलाकों में मौसमी गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकेंगी।

पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं को छेड़ने वाला छूटा, पुलिस ने सादे पन्ने पर माफीनामा लिखाया

पटना। पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के नागेश्वर कॉलोनी में कॉलेज जाने वाली लड़कियों से छेड़खानी करने वाले एक मनचले को पुलिस ने थाने से छोड़ दिया है। गुरुवार की सुबह कॉलेज की छात्राओं ने अपार्टमेंट के गार्ड की मदद से आरोपी को पकड़कर डायल 112 के हवाले किया था। पुलिस वहां से उसे लेकर कोतवाली थाने पर आई, दिनभर रखा गया और रात में सादे पन्ने पर माफीनामा लिखवाकर छोड़ दिया गया। आरोपी की पहचान यूपी के रहने वाले मुलायम सिंह के तौर पर हुई थी। छात्रा ने पुलिस को बताया कि जैसे जैसे छात्राओं को टाइम मिलता है। अपना कॉलेज जाती रहती है। दो दिन से एक लड़की अकेले पड़ जा रही थी। बुधवार के दिन भी इसने छेड़खानी की। अपनी पेंट की जिप खोलकर गलत गलत फब्तियां कसने लगा। इशारे करने लगा, लेकिन लड़की कुछ नहीं बोली। बुधवार के दिन कॉलेज चली गई। गुरुवार को फिर उसी समय टेलीफोन बूथ के पीछे छिपकर मोबाइल से बातचीत करने के बहाने छात्रा को देखते रहा। जैसे पास से गुजरने लगी। फिर अपनी वहीं हरकत दोहराने लगा। इसके बाद छात्राओं ने इस बात की जानकारी गुस्से में आकर वहां पास के अपार्टमेंट के गार्ड को दी। जिसके बाद वह पकड़ा गया। जब पुलिस ने आरोपी शख्स मुलायम सिंह यादव को थाने लाने लगी तो उसकी मां माफी मांगने लगी। पुलिस से भी इस दौरान हाथ पकड़कर अपने आरोपी बेटे का पक्ष लेती रही। यह कहती रही कि दोबारा ऐसी गलती नहीं करेगा, माफ कर दीजिए। मुलायम को जब पकड़कर छात्राओं ने पुलिस के हवाले किया तो वो उल्टा छात्राओं पर ही झूठा आरोप लगाने की बात कहने लगा। जिसके बाद छात्राएं आक्रोशित हो गईं। फिर मुलायम चुप हो गया। बीते दो दिनों से मुलायम ने इस कदर एक छात्रा के मन में दहशत बैठा दिया था कि वो डर से कॉलेज भी नहीं जा पा रही थी। इस घटना के बारे में अपने साथियों को बताई। जिसके बाद सारी छात्राएं एकजुट होकर उस पीड़ित छात्रा के पीछे पीछे जाने लगीं।

हथियार के साथ एक शख्स गिरफ्तार, केशव पैलेस में छिपा था आरोपी, लाइसेंस के साथ की गई थी टेंपरिंग

पटना। पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के राजा बाजरा पिलर नंबर 20 के पास स्थित केशव पैलेस के फ्लैट नंबर 101 E से एक संदिग्ध हथियार के साथ पकड़ा गया है। संदिग्ध का नाम दिलीप कुमार (38) है। वह औरंगाबाद, थाना पौथू, लट्टा का रहने वाला है। पटना में किराए के फ्लैट में पिछले कुछ महीनों से रह रहा था। पटना सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा ने बताया कि, आरोपी से पूछताछ हो रही है। इसके पास से 1 पिस्टल, 16 राउंड कारतूस, 1 मोबाइल बरामद किया गया है। पकड़े जाने के बाद आरोपी ने हथियार के बारे में बताया कि उतर प्रदेश से निर्गत है। आरोपी ने एक लाइसेंस भी दिखाया, जब इसकी जांच पड़ताल की गई तो फर्जी पाया गया। उन्होंने बताया कि दबंगई के उद्देश्य से इसने हथियार अपने पास रखा था। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। सिटी SP ने बताया कि, हथियार कहां से खरीदे थे, कितने में खरीदे थे, इसके पीछे की वजह क्या था, लाइसेंस कहां से बनाए थे, इसमें और कितने लोगों की संलिप्तता थी, इन सभी की छानबीन हो रही है। पकड़े गए संदिग्ध के आपराधिक इतिहास के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। फिलहाल, अभी आपराधिक इतिहास नहीं मिला है।

बाइक ने साइकिल सवार को कुचला, मौत, दो घायल, तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड के शेरपुर मानिकपुर पंचायत क्षेत्र के बहोरी गांव में शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक साइकिल सवार की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घटना महुआ-गुरूचौक मार्ग की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, एक बाइक सवार ने एक साइकिल सवार को रौंद दिया। घटना इतनी जबरदस्त थी कि साइकिल सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बहोरी गांव के वार्ड संख्या-12 निवासी प्राण पासवान के बेटे बालदेव पासवान(55) के रूप में हुई है। मृतक अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। हादसे में घायलों को मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पोस्टमॉर्टम के लिए संबंधित कागजी कार्रवाई में जुट गई है। दुर्घटना के कारणों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

अभ्यर्थियों से मिले तेजस्वी यादव, पेपर लीक व बहाली में देरी पर जताई चिंता

एजेंसी, पटना

पटना के राजेंद्र नगर स्थित साइंस सेंटर गोलंबर के पास शनिवार सुबह एक अलग ही नजारा देखने को मिला। सुबह-सुबह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जुटने वाले अभ्यर्थियों के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अचानक पहुंच गए। वहां मौजूद विद्यार्थियों ने उनका स्वागत किया और बातचीत का दौर शुरू हुआ।

अभ्यर्थियों ने तेजस्वी को बताई अपनी समस्याएं: तेजस्वी यादव ने छात्रों से उनके हालात और तैयारी के वातावरण के बारे में पूछा। अभ्यर्थियों ने खुलकर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। सबसे ज्यादा नाराजगी पेपर लीक की घटनाओं को लेकर दिखी। कई विद्यार्थियों ने कहा कि, हर दूसरे महीने किसी न किसी परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है और कार्रवाई सिर्फ कागजों पर रह जाती है। इससे मेहनत करने वालों का मनोबल गिरता है और सिस्टम पर भरोसा टूटता है।

सरकारी बहालियों में हो रही देरी का मुद्दा उठाया: इसी के साथ छात्रों ने सरकारी बहालियों में हो रही देरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि परीक्षा होने के बाद महीनों तक रिजल्ट नहीं आता और रिजल्ट आने के बाद

नियुक्ति प्रक्रिया अधर में लटकी रहती है। कई छात्रों ने बताया कि, आयु सीमा पार होने का डर बना रहता है, जबकि सरकार समय पर कैलेंडर जारी नहीं करती। पारदर्शिता की कमी और भ्रष्टाचार के आरोप भी बातचीत में सामने आए।

बदलाव सिर्फ बातों से नहीं, ठोस कार्रवाई से पूरी होगी- तेजस्वी: छात्रों की बात सुनने के बाद तेजस्वी यादव ने उन्हें भरोसा

♦ स्टेडियम में युवाओं संग खेला क्रिकेट

दिलाया कि बदलाव की जरूरत सिर्फ बातों से नहीं, ठोस कार्रवाई से पूरी होगी। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार बनेगी, तो सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया जाएगा। पेपर लीक जैसे मामलों पर सख्त कानून लागू किए जाएंगे और दोषियों को सीधे जेल भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं का गुस्सा जायज है और उनकी लड़ाई को वह सदन से सड़क तक उठाते रहेंगे। अंत में तेजस्वी यादव ने विद्यार्थियों को हौसला रखा और मेहनत जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज़ को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता और सरकार बदलने पर इन सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा।

मोइनुल हक स्टेडियम में तेजस्वी ने खेला क्रिकेट: अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव मोइनुल हक स्टेडियम पहुंचे। यहां मैदान में प्रैक्टिस करते युवाओं के साथ तेजस्वी भी क्रिकेट खेलते दिखाई दिए। तेजस्वी यादव ने इस दौरान बल्ला लेकर कई युवाओं की बॉलिंग पर कई अच्छे शॉट खेले।

कंपटीशन की तैयारी करने वालों ने किया अपहरण

एजेंसी, पटना

♦ सैदपुर हॉस्टल में 24 घंटे बनाया बंधक, मारपीट कर 2 लाख रुपए फिरौती भी मांगी

सैदपुर हॉस्टल में रहने वाले 2 लड़कों ने किडनैपिंग की है। ये दोनों प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं। इन लोगों ने 10 अक्टूबर को वारदात को अंजाम दिया था। शख्स को 24 घंटे तक बंधक बनाकर छात्रावास में ही रखा था। उसके साथ मारपीट भी की गई और 2 लाख रुपए की फिरौती मांगी। पीड़ित सोनू (24) नवादा के रहने वाले हैं, जो पटना में एक रिश्तेदार के यहां आए हुए थे। मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने आज सोनू को सुरक्षित बदमाशों के चंगुल से छुड़ाया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला बहादुरपुर थाना क्षेत्र का है। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि पीड़ित सोनू की पत्नी कोमल (20) ने शिकायत की थी कि उसके पति का अपहरण हो गया है। 2 लाख रुपए भी मांगे गए हैं। इसी सूचना के आधार पर SDPO सिटी-1 और बहादुरपुर थानेदार के नेतृत्व में अपहृत शख्स को छुड़ाने के लिए टीम गठित की गई। कोमल के साथ पुलिस बाजार समिति मेन गेट के पास पहुंची, जहां रुपए लेकर आने के लिए कहा गया था, फिर पुलिस की बिछाई जाल में अपहरण करने वाले दोनों शख्स आ गए और सैदपुर छात्रावास से सोनू को सकुशल आज बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान अमित कुमार उर्फ आर्यन और अमित कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। अभी जांच चल रही है कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों ने अपहरण क्यों किया। हालांकि अपराधियों ने पुलिस को बताया है कि साइबर फ्रॉड के कारण हमारा बैंक अकाउंट फ्रिज हो गया है। इसमें कोमल के भाई की गलती है। जिससे 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

13 इंटरस्टेट फ्रॉडस्टर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

❐ देशभर में 40 से अधिक लोगों से की ठगी, 2 करोड़ से अधिक के मिले ट्रांजैक्शन

पटना के शास्त्रीनगर इलाके से 13 ठग पकड़े गए हैं। इसमें बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश के भी अपराधी शामिल हैं। इनके खिलाफ जम्मू कश्मीर, राजस्थान, दिल्ली, चेन्नई समेत देशभर के अलग अलग राज्यों से 40 से अधिक शिकायत NCRP की पोर्टल के जरिए मिली थी। इसके आधार पर पटना पुलिस और STF की ओर से संयुक्त कार्रवाई की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शास्त्रीनगर इलाके के एक होटल में कुछ लोग जमा हुए हैं। जिनका नेटवर्क पूरे देश के अलग अलग साइबर फ्रॉडस्टर से जुड़ा है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आज शाम को पटना पुलिस एक अलग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले को लेकर पूरा खुलासा कर सकती है। पुलिस ने इनके पास से ATM कार्ड, अलग अलग लोगों के नाम से खाते, डिजिटल डॉक्यूमेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बरामद किए हैं। अभी तक की जांच में अलग अलग खाते से लगभग 2 करोड़ से भी अधिक के ट्रांजैक्शन मिले हैं। फिलहाल पुलिस डेटा के अनुसार रुपए के कैलकुलेशन में जुटी है। पुलिस के अनुसार, जो 13 फ्रॉडस्टार पकड़े गए हैं, सभी अलग अलग लोगों से खाते कमीशन पर लेते थे। फिर उसमें जो रुपए आते थे। उसे निकालकर फ्रॉडस्टर की निशानदेही पर दूसरे दूसरे खातों में भेजते थे। इसके एवज में खाता देने वालों को कमीशन इन लोगों देते थे।

पटना में ई-रिक्शा को अज्ञात गाड़ी ने ठोका फतुहा में वार्ड पार्षद के भाई की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में वार्ड पार्षद के भाई और ई-रिक्शा चालक की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना फतुहा थाना क्षेत्र के पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे 106 पर चौराहा के पास हुई। मृतक की पहचान मिर्जापुर नोहटा निवासी रामजी प्रसाद के 50 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार के रूप में हुई है, जो स्थानीय वार्ड पार्षद संजय कुमार उर्फ बिट्टू के भाई थे।

अज्ञात गाड़ी ने ई-रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर: जानकारी के अनुसार,मनोज कुमार शुक्रवार देर रात किसी को छोड़ने के बाद अपने ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। जब वह फतुहा चौराहा पहुंचे और स्टेशन रोड की ओर मुड़ने लगे। तभी सामने से आ रही एक अज्ञात बड़ी वाहन ने उनके ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह से सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक मनोज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, मौका

पाकर अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

आनन-फानन में लाया अस्पताल, मृत घोषित: मध्य रात्रि का समय होने के कारण सड़क पर कोई मौजूद नहीं था। मनोज के साथ मौजूद एक छोटा बच्चा किसी तरह दौड़कर अपने घर पहुंचा और परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस और परिजन तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। घायल मनोज को आनन-फानन में फतुहा अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फरार ड्राइवर और गाड़ी की तलाश जारी: इस संबंध में फतुहा थानाध्यक्ष सदानंद साह ने बताया कि, सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना के एनएमसी (NMC) भेज दिया है। हम आगे की कार्रवाई कर फरार ड्राइवर और गाड़ी को तलाश रहे हैं।

ई-रिक्शा चलाकर कर रहे थे गुजारा: मृतक मनोज कुमार ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और दो छोटी बेटियां हैं। इकलौता बेटा गौरव जोधपुर में रहकर काम करता है। इस हादसे के बाद अब पूरे घर की जिम्मेदारी बेटे गौरव के कंधों पर आ गई है। घटना के बाद से ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, 11.83 करोड़ की जब्ती

एजेंसी, पटना

बिहार में विधानसभा आम चुनाव 2025 की औपचारिक शुरुआत के साथ ही अब चुनावी गहमागहमी तेज़ हो गई है। जिसके लिए कल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आज नामांकन का दूसरा दिन है। कल करने के पहले दिन किसी भी उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, स्क्रूटनी 18 अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

8.5 लाख से ज्यादा कर्मियों की तैनाती: पटना जिले की सभी 14 विधानसभा सीटों पर सुबह 11 से दोपहर बाद तीन बजे तक नामांकन पत्र भरा जा सकता है। समाहरणालय के अलावा पटना सिटी, दानापुर, मसौढ़ी, पालीगंज अनुमंडल कार्यालयों व बिक्रम में बीडीओ कार्यालय को नामांकन केंद्र बनाया गया है। चुनाव आयोग ने 8.5

♦ मतदाता जागरूकता पर जोर

लाख से ज्यादा कर्मियों को तैनात कर सुरक्षा और निगरानी के सख्त इंतजाम किए हैं।

प्रशासनिक तैयारियां पूरी, मतदाता जागरूकता पर जोर: जिलाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. और वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। साथ ही, मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान और जन-संपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोग लोकतंत्र के इस पर्व में भाग ले सकें।

आचार संहिता लागू होने के बाद बड़ी जब्ती कार्रवाई: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय से जारी रिपोर्ट के अनुसार, आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य भर में निगरानी और जब्ती की कार्रवाई तेज़ कर दी गई है। मतदाताओं को प्रलोभन देने से रोकने के लिए नकद, शराब, नशीले पदार्थ, कीमती वस्तुएं और अन्य फ्रीबीज़ की बड़ी मात्रा में जब्ती की गई है।

निष्पक्ष चुनाव के लिए संयुक्त अभियान जारी: चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, नारकोटिक्स ब्यूरो, सीमा शुल्क विभाग और फ्लाइंग स्क्वॉड की टीमें मिलकर लगातार अभियान चला रही हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने सभी जिलों को सतर्क रहने और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

वोटर हेल्पलाइन और अपील: जिलाधिकारी ने वोटर हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1950 जारी किया हैं जिसपर मतदाता अपनी हर समस्या या जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया हैं कि हम लोकतंत्र के इस उत्सव को एक सुखद अनुभव बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सभी मतदाता बिना किसी भय या प्रलोभन के मतदान करें। आपका एक वोट लोकतंत्र को और मजबूत बनाता है।

सूट सिलवाने गई महिला से छेड़छाड़

एजेंसी, पटना

♦ टेलर ने नापी लेने के बहाने किया बैड टच, दर्जी को पूछताछ कर छोड़ने पर भड़के परिजन

पटना में एक 24 वर्षीय शादीशुदा युवती के साथ दर्जी द्वारा छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र के बीएन कॉलेज के पास की है। पीड़िता के मुताबिक, सूट सिलवाने के लिए नापी देने गई थी, तभी दर्जी ने उसके साथ अश्लील हरकत की और प्राइवेट पार्ट को टच किया। घबराई युवती तुरंत वहां से भागकर अपने घर पहुंची और अपनी मां को पूरी घटना बताई। इसके बाद युवती की मां मौके पर पहुंचीं और आरोपी दर्जी से बात की। स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़कर दो-चार थप्पड़ भी लगाए। बेड टच

डायल 112 की टीम ने आरोपी को थाने पहुंचाया: परिजनों ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी दर्जी को पकड़कर पीरबहोर थाना ले आई। थाने में उससे पूछताछ की गई। युवती ने थाने में आवेदन देकर घटना की शिकायत की, लेकिन देर रात तक कोई औपचारिक FIR दर्ज नहीं की गई। बताया जाता है कि आरोपी के परिजन थाने पर पहुंचे और कई बार माफी मांगते रहे।

अगले दिन फिर थाने पहुंची पीड़िता और परिवार: शुक्रवार की सुबह जब युवती ने आरोपी को उसकी दुकान पर खुलेआम काम करते देखा, तो वह अपनी मां और पति के साथ दोबारा पीरबहोर थाने पहुंची। उन्होंने पुलिस से पूछा कि आरोपी को बिना कार्रवाई के कैसे छोड़ दिया गया। परिजनों के अनुसार, पुलिस ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। वे सुबह से शाम तक थाने में रहे, लेकिन देर शाम उन्हें समझाकर घर भेज दिया गया।

बिहार कांग्रेस की इमरजेंसी मीटिंग, सीट शेयरिंग पर राहुल ने तेजस्वी से की बात

राजेश राम बोले- कांग्रेस की सीट पर रूपरेखा तैयार

एजेंसी, पटना

सीट शेयरिंग को लेकर फंसे पेंच के बीच कांग्रेस ने अचानक इमरजेंसी बैठक बुलाई है। यह बैठक ऑनलाइन है। दिल्ली से स्क्रीनिंग कमिटी के मेंबर और सीनियर आब्जर्वर जूम कॉल से जुड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में सीट बंटवारे को लेकर और उम्मीदवारों के नामों को लेकर अंतिम फैसला लिया जाएगा। वहीं, कुछ संभावित उम्मीदवारों को वन टू वन मीटिंग के लिए भी बुलाया गया है।

कांग्रेस की सीट पर रूपरेखा है फाइनल: बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि, आज की मीटिंग में हम सभी मुद्दे पर बात कर रहे हैं। सीट शेयरिंग पर हम बात कर रहे हैं। सीट शेयरिंग का फार्मूला लगभग तय है। अब बस इसे सामूहिक रूप से सार्वजनिक करना है। कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों को तैयार कर लिया है। इंडिया गठबंधन में जो हमारे हिस्से के सीट हैं, उस पर सभी रूपरेखा को हम लोग फाइनल कर चुके हैं। अब बस सीट शेयरिंग के ऐलान का इंतजार है। सबको सब चीजें पता हो जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस सीट बंटवारे को लेकर नाराज है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी से फोन पर बात की है। राहुल गांधी ने कांग्रेस के तमाम बड़े नेता को निर्देश दिया है कि इस बार सीटों के क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करना है। तेजस्वी को 13 अक्टूबर को कोर्ट में पेशी के लिए दिल्ली जाना है। ऐसे में वो आज ही किसी भी वक्त दिल्ली रवाना हो सकते हैं। जहां वो राहुल गांधी के मुलाकात कर सकते हैं।

छठ घाट 47 हजार से ज्यादा लाइटों से होगा रोशन

एजेंसी, पटना

छठ पूजा महापर्व के विशेष अवसर पर पटना नगर निगम इस बार गंगा घाटों पर विशेष लाइटिंग व्यवस्था करने जा रही है। ताकि श्रद्धालुओं को रात के समय भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस साल पटना के छठ घाट 47 हजार से ज्यादा लाइटों से रोशन होंगे। पटना नगर निगम इस बार घाटों पर 17570 ट्यूब लाइट्स, 22140 मेटल लाइट्स और 7685 हैलोजन लाइट्स लगाने जा रही है। ये लाइट्स मुख्य रूप से घाटों की सीढ़ियों, घाट तक पहुंचने वाले मार्गों, पार्किंग स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में लगाए जाएंगे।

मुख्य घाटों पर हो रही विशेष सजावट: नगर निगम आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि, सभी प्रमुख घाटों जैसे कि नासरीगंज घाट, कलेक्ट्रेट घाट, महेन्द्रू घाट, बांस घाट, आदर्श

❐ पटना में 22140 मेटल लाइट, 7685 हैलोजन लाइट लगेंगे, सीढ़ियां-पार्किंग सहित रास्ते होंगे जगमग

घाट, मीनार घाट, दीघा घाट, NIT घाट, LCT घाट आदि को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि बिजली की आपूर्ति निर्बाध रहे। इसके लिए जनरेटर की भी व्यवस्था रहेगी। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी तुरंत दुरुस्त की जाएगी। साथ ही सुरक्षा और साफ-सफाई भी सर्वोपरि रहेगी। - यशपाल मीणा, नगर निगम आयुक्त

खतरनाक घाटों को लाल कपड़े से किया जाएगा चिह्नित: छठ घाटों पर प्रकाश, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम, यात्री शेड, सीसीटीवी कैमरा, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और वाच टावर की व्यवस्था रहेगी। खतरनाक घाटों को लाल कपड़े या झंडी से चिह्नित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालु वहां न जाएं। जल संसाधन विभाग के अनुसार, गंगा का जलस्तर तेजी से घट रहा है। छठ के समय गांधी घाट पर जलस्तर करीब 45.6 मीटर रहने की संभावना है।

550 घाटों, 45 पार्कों और 63 तालाबों पर तैयारी: दूसरी ओर जिला प्रशासन ने 109 घाटों पर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 21 डेडिकेटेड टीमें गठित की हैं। सभी सेक्टर अधिकारी और सेक्टर पुलिस अधिकारी घाटों का पैदल निरीक्षण करेंगे, जबकि एसडीओ और SDPO संयुक्त रूप से तैयारी की समीक्षा करेंगे। पटना जिले में गंगा और उसकी सहायक नदियों के करीब 550 घाटों पर, जबकि नगर निगम क्षेत्र के 45 पार्क और 63 तालाबों में व्रतियों के लिए व्यवस्था की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रेक्षक गण के आगमन व ठहराव को लेकर जिलाधिकारी ने लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन- 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र के लिए सामान्य प्रेक्षक गण का आगमन होना है। प्रेक्षक गण के ठहराव के लिए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा पिपराकोठी कृषि विज्ञान केंद्र स्थित भवन का शनिवार को पुनःनिरीक्षण कर जायजा लिया गया एवं प्रेक्षक कोषांग के नोडल पदाधिकारी को यथाशीघ्र सभी व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के साथ निदेशक डीआरडीए डॉक्टर कुंदन कुमार भी उपस्थित थे।

भय मुक्त होकर करे मतदान - थानाध्यक्ष

बीएनएम @ बगहा: बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर सशस्त्र सीमा बल के साथ संयुक्त रुप से चौतरवा थाने की पुलिस ने शुक्रवार की शाम थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाल कर मतदाताओं को शांति का संदेश दिया।फ्लैग मार्च को चौतरवा चौक, शरणार्थी कांलोनी चौतरवा, पतिलार, रतवल, लगुनहां, परसौनी, इंगलिसिया समेत थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों से भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कर रहे चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव शांति पूर्ण और सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन कटिबद्ध है। उन्होंने थाना क्षेत्र के लोगों से विधानसभा चुनाव में आप सभी मतदाता भय मुक्त एवं निर्भिक होकर मतदान करने की अपील की। कहा कि अगर किसी व्यक्ति के द्वारा डराया या फिर धमकाया जाता है, तो इसकी सुचना तुरंत चौतरवा थाने की पुलिस को दे। ताकि ससमय वैसे लोगों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर सब - इन्स्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह, विनय कृष्ण समेत दर्जनों की संख्या में एसएसबी के जवान और बिहार पुलिस के जवान फ्लैग मार्च में शामिल रहे।

पश्चिम चंपारण: वायरल वीडियो की जांच में 2 पदाधिकारी निलंबित, 4 होमगार्ड पर गिरी गाज

बीएनएम @ बगहा: पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पश्चिम चंपारण के निर्देश पर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच पूरी होने के बाद दो पुलिस पदाधिकारियों और चार गृह रक्षकों पर अनुशासनिक कार्रवाई की गई है। यह जांच धनहा अंचल निरीक्षक के द्वारा कराई गई थी। जानकारी पुलिस अधीक्षक बगहा सुशांत कुमार सरोज ने एक प्रेस रिलीज जारी कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में धनहा थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुअनि (प्रभारी) राम शर्मा तथा सअनि तारिणी प्रसाद (मद्यनिषेध) के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू की गई। साथ ही चार गृह रक्षकों को छह माह के लिए कर्तव्य से वंचित करने की अनुशंसा की गई है। वीडियो में सहायक अवर निरीक्षक तारिणी प्रसाद स्पष्ट रूप से बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं। जांच में यह तथ्य सामने आया कि छापेमारी के दौरान उन्होंने अपना गलत नाम "आर्यन कुमार" बताया था। साथ ही उन्होंने अपना पदस्थापन इकाई "धनहा मद्यनिषेध जांच चौकी" के बजाय "धनहा थाना" बताया। जानकारी के अनुसार, तारिणी प्रसाद पूर्व में बक्सर जिले में शराब से संबंधित एक मामले में निलंबित रह चुके हैं और कुछ माह पूर्व ही उनका निलंबन समाप्त हुआ था। वर्तमान में वे बेतिया के धनहा मद्यनिषेध जांच चौकी में पदस्थापित हैं, जो उत्पाद थाना बगहा के अंतर्गत आती है। जांच में यह भी पाया गया कि उनकी उपस्थिति में होमगार्ड के जवानों द्वारा अवैध वसूली की गई प्रतीत होती है। इस पूरे मामले में जिला निर्वाचन सह जिला पदाधिकारी (बेतिया) को अनुशंसा भेजी गई है।

विधिक साक्षरता क्लब की बालिकाएं सम्मानित

बालिका को सम्मानित करते विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकारी

बीएनएम @ बेतिया। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चंपारण बेतिया द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिले में संचालित विधिक साक्षरता क्लब की प्रतिभाशाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बेतिया प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि आज के परिवेश में बालिकाओं की स्थिति को सशक्त बनाने के लिए सरकार एवं नालसा द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका समृद्धि योजना तथा लाडली योजना प्रमुख हैं। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं — दिव्या कुमारी एवं सफा परवीन (पेंटिंग), कामिनी कुमारी (निबंध लेखन) और रानी खातून (वाद-विवाद प्रतियोगिता) — को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री अमरेंद्र कुमार राज की उपस्थिति भी रही।मंच का संचालन विधिक साक्षरता क्लब के संचालक राकेश डी क्रूज ने किया। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

जेपी संपूर्ण क्रांति के प्रणेता एवं स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे सिपाही थे : प्रो. गौरी शंकर

बीएनएम @ जमुई। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 123वीं जयंती के अवसर पर नगर परिषद क्षेत्र के कल्याणपुर मोहल्ला में "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जेपी के विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक सह प्रधानाध्यापक दिनेश मंडल ने की।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केकेएम कॉलेज के सहायक प्राचार्य डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि जयप्रकाश नारायण संपूर्ण क्रांति के प्रणेता, युगदृष्टा और स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे सिपाही थे। उन्होंने लोकतंत्र को नई दिशा दी और यह सिद्ध किया कि जनता से बड़ा कोई नेता नहीं, और नैतिकता से बड़ी कोई राजनीति नहीं। उन्होंने कहा कि जेपी के सिद्धांत आज भी समाज में प्रासंगिक हैं, परंतु उन पर अमल न करने के कारण राजनीति अपना जनकल्याणकारी स्वरूप खोती जा रही है। डॉ. पासवान ने कहा कि जेपी व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिन्होंने सत्य, अहिंसा और न्याय के आधार पर समाज को बदलने का संदेश दिया। अध्यक्षीय संबोधन में दिनेश मंडल ने कहा कि जयप्रकाश नारायण स्वतंत्रता आंदोलन के ऐसे सेनानी थे जिन्होंने देशहित में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकता, समानता और सेवा की राह दिखाते हैं। मौके पर प्रो. संजीव कुमार सिंह, प्रो. आनंद कुमार सिंह, प्रो. निरंजन दुबे, डॉ. डी.के. गोयल, डॉ. सरदार राय समेत कई बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। सभी ने लोकनायक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बरदाहा पंचायत में बाढ़ से तबाही, सैकड़ों परिवार बेघर– राहत व सहायता की गुहार

बीएनएम @ मोतिहारी

सदर प्रखंड के बरदाहा पंचायत में इस समय बाढ़ और जलभराव ने कहर मचा रखा है। नेपाल की ओर से लगातार आ रहे पानी से सिकरहना (बूढ़ी गंडक) नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पूरा पंचायत जलमग्न हो गया है। अधिकांश घरों में पानी घुस गया है और कई स्थानों पर सड़क संपर्क पूरी तरह टूट चुका है। कई ग्रामीण अपने घर छोड़ ऊँचे स्थानों, तटबंधों और रिंग बाँधों पर शरण लेने को मजबूर हैं। स्थानीय मुखिया मोहन सहनी ने बताया कि अब तक करीब 1000 से अधिक परिवार बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। इनमें से लगभग 350 परिवारों ने सिकरहना तटबंध और रिंग बाँध क्षेत्र में अस्थायी रूप से डेरा डाल रखा है। पंचायत के अनुसार, प्रभावित जनसंख्या लगभग 5000 है, जिनमें करीब 1500 बच्चे और 90 से 100 गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएँ शामिल हैं। लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण क्षेत्र में साँप-बिच्छू का खतरा बढ़ गया है। रात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। स्वच्छ पेयजल और शौचालय व्यवस्था ठप हो जाने से दूषित जल के कारण जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से तत्काल स्वास्थ्य शिविर, दवा वितरण और क्लोरीन की व्यवस्था की माँग की है। मुखिया सहनी ने बताया कि पंचायत स्तर पर तात्कालिक सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कर जिला आपदा प्रबंधन शाखा, मोतिहारी एवं स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई है। स्थानीय स्वयंसेवकों और जनप्रतिनिधियों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पंचायत ने प्रशासन और राहत एजेंसियों से निम्नलिखित तत्काल सहायता की माँग की है। तिरपाल की चादरें एवं सामुदायिक भोजन व्यवस्था, ब्लीचिंग पाउडर, क्लोरीन की गोलियाँ एवं मच्छरदानियाँ। प्राथमिक चिकित्सा किट व स्वास्थ्य दल की तैनाती बच्चों व महिलाओं के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल स्थिति अब भी गंभीर है। शनिवार शाम तक जलस्तर में वृद्धि जारी रही। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पानी का स्तर शीघ्र नहीं घटा, तो फसलों के साथ-साथ आवासीय मकानों को भी भारी नुकसान हो सकता है। क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और राहत एजेंसियों के संयुक्त हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता बताई गई है।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई खेल प्रतियोगिता

बीएनएम @ मोतिहारी

खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में 09 से 12 अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन एथलेटिक्स, ताइक्वांडो, बैडमिंटन, फुटबॉल, शतरंज, कराटे, खो-खो की प्रतियोगिता हुई। वॉलीबाल अंडर 17 बालिका वर्ग में विजेता यू एम एस कटहाँ मोतिहारी व उप विजेता कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल मोतिहारी की टीम रही। वही बालक वर्ग में जीवन इंटरनेशनल स्कूल विजेता व उप विजेता विद्यापति स्कूल की टीम रही। फुटबॉल अंडर 14 बालक वर्ग में विजेता जिला स्कूल व उप विजेता जी एम एस लखौरा की टीम रही। वही अंडर 17 बालक वर्ग में विजेता जिला स्कूल व उप विजेता एसआरबी हाई स्कूल लखौरा की टीम रही. मौके पर विभिन्न जिला खेल संघ के अध्यक्ष/सचिव अरविन्द कुमार, भानु प्रकाश, मंजय कुमार, रविश कुमार, शारीरिक शिक्षा शिक्षक अमित कश्यप, श्वेतांजलि, रश्मि रंजन, अरुण कुमार गुप्ता, विपुल आनन्द, पंकज वर्मा, मनोज प्रसाद, मोहम्मद मोबसिर रमेश कुमार आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक चिकित्सा प्रकृति के साथ- वैष्णवी

बीएनएम @ मोतिहारी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब लोग छोटी-छोटी बीमारियों के लिए दवाइयों पर निर्भर हो गए हैं, ऐसे समय में प्राकृतिक चिकित्सा हमारे लिए एक वरदान के समान है। प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी उपचार पद्धति है जो शरीर को प्रकृति के तत्वों जल, वायु, अग्नि, आकाश और पृथ्वी के माध्यम से स्वस्थ करने पर आधारित है। इसका मूल सिद्धांत है कि शरीर स्वयं अपनी बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखता है, बस उसे सही वातावरण और प्राकृतिक साधन चाहिए। प्रकृति से जुड़ाव हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करता है। सुबह की ताजी हवा और धूप शरीर में ऊर्जा और विटामिन- डी प्रदान करती है। मिट्टी के संपर्क से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। प्राकृतिक आहार जैसे फल, सब्जियाँ, अंकुरित अनाज और हर्बल पेय शरीर को अंदर से शुद्ध करते हैं। मानसिक शांति, बेहतर नींद और तनाव से मुक्ति भी प्रकृति की गोद में मिलती है। अगर हम बचपन से ही प्राकृतिक जीवनशैली अपनाएँ जैसे सुबह जल्दी उठना, सूर्य स्नान करना, शुद्ध जल पीना, ताज़ा भोजन लेना, और रासायनिक दवाइयों की जगह घरेलू व आयुर्वेदिक उपायों का उपयोग करना तो हमें कभी भी एलोपैथिक दवाओं की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। प्रकृति हमें वही देती है जो हमारे शरीर को वास्तव में चाहिए संतुलन, शुद्धता और ऊर्जा। प्राकृतिक चिकित्सा कोई नई पद्धति नहीं, बल्कि हमारी पुरानी भारतीय जीवनशैली का हिस्सा है। आज ज़रूरत है कि हम फिर से प्रकृति की ओर लौटें, ताकि स्वस्थ शरीर और शांत मन के साथ एक सुखद जीवन जी सकें। प्रकृति ही सर्वोत्तम वैद्य है — बस हमें उसके संकेतों को समझना है।

समाज सेवा मेरे अंत:करण की आवाज है : पार्वती तिवारी

बीएनएम @ रामगढ़वा

समाजसेवी पार्वती तिवारी ने कहा है कि समाज सेवा उनके लिए कोई दान या औपचारिक कार्य नहीं, बल्कि अंत:करण की पुकार और जीवन जीने का तरीका है। उन्होंने बताया कि सेवा की शुरुआत उन्होंने दूसरों को बदलने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि खुद को संवेदनशील बनाने के प्रयास से की थी। उन्होंने कहा कि पहली बार जब उन्होंने एक अनपढ़ बालिका को अक्षरज्ञान कराया तो उसकी आँखों में चमक ने उनकी सोच बदल दी। "तब महसूस हुआ कि सेवा देने वाला भी उतना ही बदलता है जितना पाने वाला," उन्होंने कहा। पार्वती तिवारी के मुताबिक समाज सेवा केवल संस्थानों या आश्रमों तक सीमित नहीं है। घर में काम करने वाली महिला के बच्चे के लिए किताब दिलाना, गली के स्वान के लिए खाना रखना और जरूरतमंदों की छोटी-छोटी मदद करना भी सेवा का हिस्सा है। उन्होंने कहा, "समाज सेवा किसी मंच, एनजीओ या प्रशंसा की मोहताज नहीं होती। यह दिल से किया गया वह काम है जिसे भले कैमरा न देखे, लेकिन ईश्वर अवश्य देखता है।" उन्होंने समाज की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अकसर लोग शिकायत करते हैं कि समाज बिगड़ गया है, जबकि जरूरत खुद के भीतर सुधार लाने की होती है। उन्होंने कहा कि सहयोग की भावना ने उन्हें समाज की वास्तविक तस्वीर से जोड़ा, जिसमें संघर्ष तो है, लेकिन उम्मीद भी है। पार्वती तिवारी ने कहा कि आज सेवा उनके लिए कोई अलग कार्य नहीं बल्कि सोच, जीवनशैली और पहचान बन चुकी है। "मैं समाज सेवा करती नहीं हूँ, मैं समाज सेवा जीती हूँ। यह मेरे लिए साधना है, जहाँ मंच या पुरस्कार की नहीं, केवल अंत:करण की आवश्यकता होती है," उन्होंने कहा। उन्होंने अंत में कहा, "मैं हूँ इसलिए सेवा है, और सेवा है इसलिए जीवन है।"

18- मधुबन विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सहायक निर्वाची पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ की गई बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा के द्वारा शनिवार को जिला के पकड़ीदयाल अनुमंडल के सभाकक्ष में 18- मधुबन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने को लेकर प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक कर अभी तक किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी के द्वारा सहायक निर्वाची पदाधिकारी से नामांकन प्रक्रिया के दौरान किए जाने वाले कार्यों एवं की गई तैयारी की जानकारी प्राप्त की गई एवं सभी जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के द्वारा सभी सेक्टर पदाधिकारी से उनके दायित्व को लेकर प्रश्न किया गया। जिलाधिकारी ने पूछा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी के द्वारा अभी तक अपने सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ क्या क्षेत्र भ्रमण किया गया है, उनके जिम्मे कितने मतदान केंद्र हैं, मतदान केंद्र किन किन लोकेशन पर स्थित है। मतदान केंद्र तक जाने के लिए रास्ते की क्या स्थिति है। जिलाधिकारी ने कहा कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण कहीं-कहीं जल जमाव की स्थिति बन गई है तो क्या उससे बूथ तक जाने का रास्ता प्रभावित हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि बूथ पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी (AMF) की उपलब्धता क्या है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान कितने संवेदनशील पॉकेट है, क्या उसे चिन्हित किया गया है। महादलित टोले का भ्रमण किया गया है कि नहीं। लोगों में फ्री एंड फेयर पोल संबंधी विश्वास बढ़ाने की काम की गई है अथवा नहीं, से संबंधित सारी चीजों के बारे में सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक में जानकारी प्राप्त की गई। सभी सेक्टर पदाधिकारी ने बताया कि सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है। इस दौरान सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण किया गया है। मतदान केंद्र पर न्यूनतम जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता देखी गई है एवं इसके संबंध में प्रतिवेदन दिया गया है। ज्ञातव्य है कि 18- मधुबन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 36 सेक्टर पदाधिकारी एवं 36 सेक्टर पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। बैठक में सभी उपस्थित पदाधिकारी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन का कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं दायित्वपूर्ण है। चुनाव प्रक्रिया की सफलता का आधार क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत क्षेत्रीय पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस सेक्टर पदाधिकारी पर ही होते हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण चुनाव को संपन्न कराने में सेक्टर पदाधिकारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को आवंटित क्षेत्र में सक्रियता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्य प्रणाली की भी व्यवस्थित जानकारी रखें ताकि मतदान के दिन कहीं कोई दिक्कत हो तो उसका शीघ्रता से समाधान किया जा सके। इस अवसर पर मधुबन विधान सभा के निर्वाची पदाधिकारी -सह- अनुमंडल पदाधिकारी पकड़ीदयाल मंगला कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पकड़ीदयाल एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एमजीसीयू में विशेष व्याख्यान

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के सेहत केंद्र द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश स्थित गवर्नमेंट कॉलेज, छिंदवाड़ा के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. अमर सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों और समाधान पर तार्किक प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि दूषित भावनाएं, अत्यधिक महत्वाकांक्षा, ईर्ष्या और एकाकी जीवनशैली अवसाद के मुख्य कारण हैं। इनसे मुक्ति के लिए मोह त्याग, संतुलित जीवन दृष्टि और साधना जैसे उपाय कारगर हो सकते हैं। उन्होंने गीता से संतुलित चिंतन, कर्म में कुशलता, आत्मबल, धैर्य और गंभीरता को मानसिक तनाव से निपटने के प्रभावी माध्यम बताया। आधुनिक जीवन में तनाव और चिंता को सामान्य चुनौती बताते हुए उन्होंने शिक्षा, जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रो. सिंह ने कहा कि योग, ध्यान, व्यायाम जैसे आत्म-देखभाल के उपायों को बढ़ावा देने तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना समय की आवश्यकता है। सामाजिक और पारिवारिक समर्थन को भी उन्होंने जरूरी बताया। कार्यक्रम में सेहत केंद्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल, सह-समन्वयक डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फेक न्यूज़ एवं पेड न्यूज़ पर नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन सख्त

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा सख्त निर्देश दिया गया है कि बिना एमसीएमसी प्रमाणन के कोई राजनीतिक विज्ञापन प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक अथवा सोशल मीडिया में प्रसारित नहीं किया जाए। उन्होंने कहा है कि मीडिया के सभी प्रतिनिधिगण से निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जिम्मेदार रिपोर्टिंग की अपेक्षा की जाती है। कहा कि सोशल मीडिया पर प्रकाशित प्रत्येक समाचार सामग्री के सत्यापन की जिम्मेवारी संबंधित प्रकाशक की होती है इसलिए किसी भी समाचार को प्रकाशित करने से पूर्व उसकी सत्यता की पूरी जांच अवश्य कर ली जाए तथा फेक न्यूज से संबंधित मामलों में विशेष सावधानी एवं संवेदनशीलता बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा है कि किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी के पक्ष में प्रचारात्मक समाचार या सामग्री का प्रसारण करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सूचनायें अत्यंत तीव्र गति से प्रसारित होती हैं अतः केवल सत्य, प्रामाणिक एवं निष्पक्ष समाचार ही साझा किए जाएं। बिहार विधानसभा निर्वाचन के अवसर पर जिला में मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग सेल बना हुआ है। बिना इस सेल के सर्टिफिकेशन के कोई भी सोशल मीडिया चैनल या पोर्टल किसी राजनीतिक विज्ञापन का प्रसारण नहीं करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया है कि जिला प्रशासन द्वारा सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनी रहे। उन्होंने कहा है कि पेड न्यूज़ अथवा फेक न्यूज़ से संबंधित कोई शंका हो तो जिला स्तर पर गठित एमसीएमसी कोषांग के नोडल पदाधिकारी/जिला जनसंपर्क पदाधिकारी से संपर्क कर स्पष्टीकरण प्राप्त की जा सकती है और बिना प्रमाणन के कोई भी राजनीतिक समाचार का प्रकाशन नहीं किया जाना है। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा है कि ग्राउंड रिपोर्टिंग निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जनहितमुखी होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की पक्षपात पूर्ण या छवि निर्माण करने वाली सामग्री से बचना ही लोकतांत्रिक पत्रकारिता की सच्ची भावना है।

संक्षिप्त समाचार

सिगरेट के विवाद में दुकानदार की हत्या, ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

बीएनएम @ सुपौल: जिले के सदर थाना क्षेत्र के बैरो चौक पर शाम में हुई घटना में पान दुकानदार साजन उर्फ धीरज मुखिया की हत्या कर दी गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक विवाद सिगरेट को लेकर हुआ था जो हाथापाई और छिड़काव तक बढ़ गया। घटना के बाद मौके पर भारी रोष फैला और आसपास के दुकानदारों ने समर्थन में अपनी-अपनी दुकानें बंद कर दीं, जिससे बाजार चार घंटे तक ठहर सा गया।घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़कों पर उतरकर टायर जलाकर और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शनों को तेज कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसे कुकृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ महिलाओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया और उन्होंने कहा, "खून के बदले खून होना चाहिए," जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।प्रदर्शन की खबर मिलने के बाद सदर एसडीएम और एसडीपीओ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति पहले नियंत्रित नहीं हो सकी। भीड़ के बढ़ने के बाद पुलिस ने अतिरिक्त जवानों सहित अर्धसैनिक बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ाई। मौके पर मौजूद कई लोगों ने पुलिस की कार्रवाई में देरी की शिकायत की और त्वरित जांच व गिरफ्तारी की मांग की।जिलाधिकारी व स्थानीय पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा है कि आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित कर दी गई है और घटना के कारणों की विस्तृत पूछताछ की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए अपील की है और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दीपावली-छठ से पहले सभी वार्डों में चलेगा व्यापक सफाई अभियान

बीएनएम @ योगापट्टी संवाददाता: योगापट्टी आगामी दीपावली और छठ पर्व को लेकर ग्राम पंचायत राज नवलपुर के पंचायत सरकार भवन में दोपहर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया पति संतोष राम ने की। इस अवसर पर स्वच्छता पर्यवेक्षक अशोक प्रसाद, उप मुखिया सुखाड़ी यादव, सभी वार्ड सदस्य एवं स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे। बैठक में पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में पर्वों से पहले सफाई अभियान चलाने पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने कहा कि दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसके लिए नालियों की सफाई, कचरा निस्तारण, सार्वजनिक स्थलों की सफाई और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया। साथ ही सेवा शुल्क व स्वच्छता व्यवस्था से जुड़ी बातें भी विस्तार से चर्चा में आईं। मुखिया पति संतोष राम ने कहा कि "स्वच्छ पंचायत ही स्वस्थ समाज की पहचान है, इसलिए सभी लोग मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं।"बैठक का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ कि आने वाले त्योहारों पर नवलपुर पंचायत को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा।

मैं पार्टी का सिपाही हूं, उम्मीदवार नहीं : पवन सिंह

बीएनएम @ पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और भाजपा नेता पवन सिंह ने चुनाव मैदान में उतरने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वे इस बार कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। पवन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि भाजपा में उनकी एंट्री केवल पार्टी कार्यकर्ता के रूप में हुई थी, न कि उम्मीदवार बनने के इरादे से।पवन सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा, "मैं पवन सिंह अपने भोजपुरीया समाज से बताना चाहता हूं कि मैं बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ज्वाइन नहीं किया था और न ही मुझे चुनाव लड़ना है। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं और रहूंगा।"उनके इस बयान से पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर पूरी तरह विराम लग गया है। पवन सिंह के नाम को लेकर कई सीटों पर संभावित उम्मीदवारों की चर्चा थी, खासकर भोजपुर और आरा क्षेत्र में, जहां उनका बड़ा जनसमर्थन माना जाता है।भोजपुरी फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता से नेता बने पवन सिंह ने कहा कि वे भाजपा के लिए एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और संगठन के हर निर्णय के साथ खड़े हैं। उनके इस बयान को भाजपा के अंदरूनी समीकरणों और सीट चयन प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

बिहार चुनाव : 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाता घर से डाल सकेंगे वोट

बीएनएम @ पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस बार बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम डॉ. एसएम त्यागराजन ने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाता अब अपने घर से ही मतदान कर सकेंगे। इसके लिए प्रशासन ने विशेष मतदान टीमें गठित की हैं, जो तय समय पर घर जाकर उनका वोट डलवाएंगी।डीएम त्यागराजन ने बताया कि ऐसे मतदाता जो शारीरिक रूप से मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, वे बीएलओ (BLO) के माध्यम से प्रपत्र-12(D) भरकर निर्वाचन पदाधिकारी को दे सकते हैं। इसके बाद संबंधित टीम उनके घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया पूरी करेगी।निर्वाचन कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस बार सभी मतदान केंद्रों को भूतल पर स्थापित किया जा रहा है, ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को सीढ़ियों या ऊंचाई वाले स्थानों पर चढ़ने की परेशानी न हो।डीएम ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र मतदाता को बिना किसी असुविधा के मतदान का अवसर मिले। चुनाव सिर्फ लोकतंत्र का उत्सव नहीं, बल्कि सभी के अधिकारों के सम्मान का प्रतीक है।"पटना जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए समय पर आवेदन करें और मतदान के दिन शांति और सहयोग बनाए रखें।

महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर हुई चर्चा

बीएनएम @ बोधगया(गया जी): मगध विश्वविद्यालय बोधगया स्थित स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका एवं स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. कुमारी दीपा रानी ने महिला अध्ययन केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा 26 सितंबर को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में महिला स्वास्थ्य और सुरक्षा परिदृश्य और चुनौतियां विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। यह कार्यक्रम दीक्षित दीक्षोत्सव 2025 के अंतर्गत दीक्षांत समारोह के पूर्व आयोजित किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर वंदना सिंह नोडल ऑफिसर महिला अध्ययन केंद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी जो मूल रूप से वहां की सामाजिक विज्ञान की संकायाध्यक्ष भी हैं उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत की।राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे सत्र में मगध विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका एवं स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. कुमारी दीपा रानी ने विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए महिला एवं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबधी नियमों की विस्तृत रूप से चर्चा किया।

जेपी नारायण जयंती : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिताब दियारा में लोकनायक को अर्पित की श्रद्धांजलि

जेपी एक सच्चे लोकतंत्र सेनानी, निडर स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक नेता थे : उपराष्ट्रपति

बीएनएम @पटना

भारत रत्न और पूर्ण क्रांति के जनक लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 123वीं जयंती आज, 11 अक्टूबर को मनाई जा रही है। इस मौके पर देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन सिताब दियारा पहुंचे और लोकनायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। जयप्रकाश नारायण का जन्म 1902 में हुआ था और उनका नेतृत्व भारत के लोकतंत्र और सामाजिक सुधारों में महत्वपूर्ण रहा।उपराष्ट्रपति का स्वागत पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बिहार के राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने किया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद सड़क मार्ग से वह सिताब दियारा पहुंचे।इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि जेपी एक सच्चे लोकतंत्र सेनानी, निडर स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और दूरदर्शी नेता थे। राधाकृष्णन ने साझा किया कि उन्हें 19 साल की आयु में जेपी के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से जुड़ने का अवसर मिला, जिसने उनके जीवन और विचारों को गहराई से प्रभावित किया।उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। सिताब दियारा और आसपास के 5 किलोमीटर क्षेत्र को नो-ड्रोन जोन घोषित किया गया है। इस दौरान ड्रोन, हॉट एयर बलून, पैरामोटर या किसी भी गैर-परंपरागत उड़ान उपकरण के उपयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी।इस कार्यक्रम ने जेपी के लोकतंत्र, स्वतंत्रता और समाज सुधार के प्रति समर्पण को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

राजद कार्यालय में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई

बीएनएम @ पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्य कार्यालय में शनिवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने जीवनभर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष किया। वे युवाओं के प्रेरणास्रोत रहे और "संपूर्ण क्रांति" के नारे से देश में सत्ता परिवर्तन की राह दिखाई। प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने कहा कि जेपी के विचारों को अपनाकर ही राज्य को सही दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है।इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव बीनू यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष मो. कामरान, विधायक भूदेव चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुजफ्फर हुसैन राही, प्रवक्ता एजाज अहमद, पूर्व विधायक भाई दिनेश सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जेपी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया और सामाजिक न्याय एवं लोकतंत्र की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

समस्तीपुर समाहरणालय में मनाई गयी जेपी की जयंती

जयप्रकाश नारायण की तैल चित्र पर माल्यार्पण करते अधिकारी

बीएनएम @ समस्तीपुर। लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर, समाहरणालय के प्रांगण में समारोह का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने जय प्रकाश नारायण के तैल चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, नज़ारत उप समाहर्ता सह नोडल पदाधिकारी मीडिया कोषांग, पंचायती राज पदाधिकारी, तथा अन्य वरीय पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने लोकनायक के चित्र पर पुष्प और माला अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने लोकनायक जय प्रकाश नारायण के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र सेवा और जन-कल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उपस्थित अन्य वरीय पदाधिकारियों ने भी अपने उद्बोधन में लोकनायक के आदर्शों और समाजवाद के प्रति उनके अटूट विश्वास को याद किया। यह समारोह लोकनायक जय प्रकाश नारायण के महान योगदान को याद करने और उनके उच्च आदर्शों पर चलने की प्रतिबद्धता को दोहराने का माध्यम बना।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गयी

समाज में समरसता और सर्वोदय की राह पर चलने का आह्वान

बीएनएम @ जमुई/ सिमुलतला

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि

जयप्रकाश नारायण उच्च विद्यालय में शनिवार को भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 123वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उनके चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। सिमुलतला स्टेशन प्रबंधक अखिलेश कुमार ने कहा कि वर्षों की तपस्या और सामाजिक-राजनीतिक चिंतन के बाद ही जयप्रकाश नारायण जैसे महामानव का जन्म होता है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण क्रांति के जनक जयप्रकाश नारायण ने मानवता को नई दिशा दी और "जाति तोड़ो, समाज जोड़ो" का नारा दिया। आज के दौर में जब समाज को फिर से जातियों और धर्म के खांचों में बांटा जा रहा है, ऐसे समय में जयप्रकाश के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। जिला पार्षद प्रतिनिधि आलोक राज ने घोषणा की कि विद्यालय में जयप्रकाश नारायण और संस्थापक स्व. शिवानंद भाई के जीवन परिचय के साथ उनका चित्र दिवाल पर अंकित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय का पुस्तकालय भी शीघ्र पूरा होगा। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "आप जयप्रकाश के पदचिह्नों पर चलकर बिहार और देश का नाम रौशन करें।" कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमार विमलेश ने की। । इस अवसर पर प्रो. अनुप सिंहा, कैलाश कुमार सहित कई वक्ताओं ने लोकनायक के विचारों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जेपी सेनानी नित्यानंद पांडे, जयप्रकाश यादव, शोभन यादव, भावेश चौधरी, विद्यालय प्रधानाध्यापक बिपीन सिंह, संजय पांडेय, निरंजन प्रसाद भीम सिंह, राजेंद्र तुरी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग मौजूद थे ।

मतदाता लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं: डीएम

स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ समस्तीपुर

रंगोली बनाकर मतदाताओं को जागरूक करती महिलाएं

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिला प्रशासन की ओर से मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप (SVEEP – Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को समाहरणालय प्रांगण में विविध जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी रौशन कुशवाहा, उप विकास आयुक्त शैलजा पांडेय, तथा नज़ारत उपसमाहर्ता-सह मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी रजनीश कुमार राय उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी रौशन कुशवाहा ने कहा कि "मतदाता लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं।" उन्होंने अपील की कि प्रत्येक नागरिक मतदान को लोकतंत्र के उत्सव के रूप में मनाए और इसे जीवन के विविध रंगों, कला व संस्कृति से जोड़कर दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।इस मौके पर मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग जैसी रचनात्मक और थीम-आधारित गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।"पहले मतदान, फिर जलपान" और "आपका वोट, आपका भविष्य" जैसे प्रेरणादायी नारों से प्रतिभागियों और उपस्थित नागरिकों को मतदान के प्रति उत्साहित किया गया।इन रचनात्मक कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाना रहा।

मोतिहारी में सड़क किनारे मिला युवक का शव,इलाके में फैली सनसनी

बीएनएम @ पटना/ मोतिहारी

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण): घोड़ासहन प्रखंड के भेलवा और नोनौरा गांव के बीच शनिवार सुबह एक युवक का शव सड़क किनारे मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान भेलवा निवासी रमेश कुमार के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार, रमेश सुबह पास की ईंट-भट्ठे में काम करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।स्थानीय लोगों ने शव देखते ही पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची घोड़ासहन थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से पुलिस ने कई अहम सुराग जुटाए हैं। सड़क किनारे बड़े वाहन के टायर के निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि रमेश की मौत किसी वाहन की चपेट में आने से हुई हो सकती है।थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि मामला हत्या का निकला, तो दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।इस घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया है। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि रमेश कुमार की मौत दुर्घटना थी या हत्या।इस रहस्यमयी मौत ने घोड़ासहन इलाके में चिंता और सवाल दोनों खड़े कर दिए हैं।

कार के तहखाने से 369 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @जमुई

बरामद शराब के साथ उत्पाद विभाग की पुलिस

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शराब तस्करी पर सख्त कार्रवाई करते हुए उत्पाद विभाग की टीम ने सरौन के पास एक कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई चुनावी माहौल में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।सूत्रों के अनुसार, सचिव और जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए अभियान में उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने सड़क किनारे खड़ी संदिग्ध कार की तलाशी ली। कार में दो मलेट्री बॉक्स दर्ज थे, जिन पर "मेजर बिपिन पंडित" लिखा था। कार के तहखाने से 369 बोतल, यानी कुल 139.125 लीटर विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब जब्त की गई।इस बड़ी सफलता में उत्पाद थाना प्रभारी गौरीशंकर कुमार और एएसआई पिंटू कुमार भी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई शराब तस्करी पर सख्त संदेश देने के साथ-साथ चुनावी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी अहम है।जांच जारी है कि बरामद शराब कहां ले जाई जा रही थी और इसका मालिक कौन है। साथ ही कार के मालिक और संभावित तस्करों की पहचान की जा रही है।इस प्रकार की कार्रवाई चुनाव से पहले शराब तस्करी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए एक मजबूत कदम मानी जा रही है।

मतदाताओं को किया गया जागरूकता

मतदाताओं को जागरूक करती महिलाएं

बीएनएम @ जमुई/सिकंदरा

आईसीडीएस कार्यालय सिकंदरा के निर्देशन में प्रखंड क्षेत्र के गोखुला फतेहपुर पंचायत के वार्ड संख्या 15 स्थित मतदान केंद्र संख्या 179 पर स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यवेक्षक किरण कुमारी एवं सेविका प्रियंका कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर की। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रेरणा कुमारी के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं व ग्रामीणों को मतदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती का आधार है।अभियान के दौरान 11 नवम्बर 2025 को होने वाले विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष एवं शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। महिलाओं की भागीदारी पर विशेष बल देते हुए कहा गया कि यदि महिलाएँ आगे बढ़कर मतदान में हिस्सा लेंगी, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा और मजबूत होगी।कार्यक्रम का उद्देश्य था कि गोखुला फतेहपुर क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता, विशेषकर महिलाएँ, आगामी चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लें और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सहायिका आशा देवी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वीप कोषांग ने विभिन्न स्कूलों में कराया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

बीएनएम @जमुई

वाद–विवाद प्रतियोगिता में भविष्य के मतदाता बने सक्रिय प्रतिभागी

उच्च विद्यालय गुलगुल डीह में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को दृष्टिगत रखते हुए शनिवार को शिक्षा विभाग और स्वीप कोषांग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न उच्च विद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सभी प्रखंडों के उच्च विद्यालयों में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों की मौजूदगी में छात्रों ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्रों ने लोकतंत्र में भागीदारी के पक्ष और विपक्ष में अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और गंभीर विचारों का समन्वय देखने को मिला।विशेष रूप से उ0 उ0 विद्यालय मिर्जागंज अलीगंज, उ0 उ0 विद्यालय देवाचक बरहट, उ0 उ0 विद्यालय रक्त रोहनिया सोनो, उ0 उ0 विद्यालय गुगुलडीह बरहट, +2 उ0 विद्यालय धधौर सिकंदरा, प्रोजेक्ट कामनी उ0 विद्यालय बरहट, उ0 उ0 विद्यालय कियाजोरी चकाई, उ0 उ0 विद्यालय खलारी खैरा और उ0 उ0 विद्यालय छापा झाझा के छात्रों ने अपने तर्क प्रस्तुत किए।अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों में मतदान और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। इससे भविष्य के मतदाता न केवल चुनाव में भाग लेंगे बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी गहराई से समझेंगे।

लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई

बीएनएम @वजीरगंज (गया जी)

जेपी के चित्र पर माल्यार्पण करती शिक्षिका

मध्य विद्यालय दखिनगांव में शनिवार को महान स्वतंत्रता सेनानी व राजनेता लोकनायक जय प्रकाश नारायण की 123वीं जयंती समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में छात्रों ने जय प्रकाश नारायण की जीवनी, गीत, संगीत और नारे के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी। समारोह की शुरुआत जय प्रकाश नारायण के जीवन परिचय के साथ हुई, जिसमें छात्रों ने उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, समाजवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और संपूर्ण क्रांति के आह्वान के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद, छात्रों ने जय प्रकाश नारायण के जीवन से प्रेरित गीत और संगीत प्रस्तुत किए, जिससे समारोह का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।समारोह के दौरान, छात्रों ने जय प्रकाश नारायण के नारे "जयप्रकाश नारायण जिंदाबाद" और "संपूर्ण क्रांति जिंदाबाद" के साथ-साथ उनके विचारों को भी साझा किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार ने कहा कि जय प्रकाश नारायण की जयंती हमें उनके आदर्शों और मूल्यों को याद करने का अवसर प्रदान करती है।समारोह के अंत में, छात्रों ने जय प्रकाश नारायण की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और छात्रों ने जय प्रकाश नारायण के जीवन और कार्यों को याद किया और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर शिक्षक प्रभाकर कुमार ,ज्योत्सना शाही ,मधु ,निक्की कुमारी सहित विद्यालय की सभी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

सोना इतना महंगा क्यों?

सोने के साथ-साथ क्रिप्टो करेंसी का भाव भी बढ़ा है। अमेरिकी शेयर बाजार ऊंचाई पर हैं। इसका शिकार अमेरिकी सरकार के बॉन्ड बने हैं। हाल में प्रमुख मुद्राओं के बास्केट की तुलना में डॉलर की कीमत नौ फीसदी गिरी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव प्रति औंस 4000 डॉलर पार कर गया है। भारत में बुधवार को 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति दस ग्राम सवा लाख रुपये से अधिक हो गई। इसके साथ इस वर्ष सोने का भाव 51 फीसदी बढ़ चुका है। यह असामान्य घटनाक्रम है, जबकि यह दाम की अंतिम सीमा नहीं है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन शैक्स का अनुमान है कि 2026 के आखिर तक सोने का भाव प्रति औंस 4,900 डॉलर पार कर जाएगा। उधर मॉर्गन स्टैनले के रणनीतिकारों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे अपना कम-से-कम 20 प्रतिशत पैसा सोने में लगाएं। आम ट्रेंड यह उभरा है कि लोग डॉलर से जुड़ी संपत्तियों से पैसा निकाल कर सोना खरीद रहे हैं। इसे अमेरिकी मुद्रा में घटते भरोसे का संकेत समझा गया है। इस समय सोने के साथ-साथ क्रिप्टो करेंसी का भाव भी बढ़ा है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार का सूचकांक ऊंचा बना हुआ है। जानकारों के मुताबिक इसका शिकार अमेरिकी सरकार के बॉन्ड बने हैं। गुजरे एक महीने में प्रमुख मुद्राओं के बास्केट की तुलना में डॉलर की कीमत नौ फीसदी गिर चुकी है। अमेरिका के वित्तीय दायरे में इसको लेकर गहरी चिंता है। कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति, संस्थाओं के प्रति अनादर और अभी अमेरिका में चल रही सरकार-बंदी (शटडाउन) के कारण निवेशकों का भरोसा डोल गया है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भू-राजनीतिक मकसद साधने के लिए अपनी मुद्रा को जिस तरह हथियार बनाया, उससे पहले ही डॉलर सिस्टम से अलग होने की प्रवृत्ति दुनिया में उभरने लगी थी। अब ट्रंप काल में अस्थिरता एवं अनिश्चितताएं और अधिक बढ़ी हैं। ऐसे मौकों पर निवेशक सोने का सहारा लेते हैं, जिसे सदियों से सबसे सुरक्षित निवेश समझा जाता रहा है। उधर यह संकेत भी मजबूत हुआ है कि चीन अपनी मुद्रा युवान को स्वर्ण समर्थित करने की दिशा में बढ़ रहा है। यानी सोने की महंगाई के पीछे दूरगामी महत्त्व की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रवृत्तियां और भू-राजनीतिक घटनाएं हैं। मगर इसका अफसोसनाक परिणाम यह है कि सोना आम जन की पहुंच से बाहर हो गया है।

अंकुरम् गर्भ में संस्कार की पाठशाला का अनूठा अभियान

ललित गर्ग

मानव जीवन की सबसे गहरी जड़ें गर्भ में होती हैं। यह वह प्रथम और सबसे पवित्र पाठशाला है जहाँ न केवल शरीर, बल्कि मनुष्य की चेतना, मूल्य और विचार भी आकार लेते हैं। इस गहन सत्य को आचार्य श्री महाश्रमण की पावन उपस्थिति में अहमदाबाद के कोबा स्थित तेरापंथ सभा भवन में शुरू की गई एक ऐतिहासिक पहल में जीवंत अभिव्यक्ति मिली। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने एक प्रेरक अभियान - 'अंकुरम गर्भ संस्कारः भावी जीवन की नींव' का उद्घाटन किया। श्री पंकज मोदी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर की पवित्रता और सौहार्द को और बढ़ा दिया। इस संपूर्ण परियोजना की परिकल्पना आचार्य श्री महाश्रमण की है, जिन्होंने अपने प्रवचन में इस बात पर ज़ोर दिया कि गर्भ केवल भौतिक सृजन का केंद्र नहीं है; यह मानसिक और आध्यात्मिक मूल्यों का उद्गम है। यदि माता का मन शांत, शुद्ध और सकारात्मक है, तो वही स्पंदन शिशु के संस्कार बन जाते हैं और उसके जीवन को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि अंकुरम गर्भ संस्कार आंदोलन इस पवित्र दर्शन पर आधारित एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है।' अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा के नेतृत्व में, इस अभियान का उद्देश्य मातृत्व को एक नई दिशा देना है। उनके शब्दों में, एक माँ केवल एक जीवन का निर्माण नहीं करती - वह एक युग का निर्माण करती है। उसके विचार, भावनाएँ और कर्म आने वाली पीढ़ियों की दिशा निर्धारित करते हैं। मातृत्व के आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से, हम सद्गुणों के बीज बोते हैं। अंकुरम एक मूल्य-उन्मुख आंदोलन है जो गर्भ से ही करुणा, शांति, संयम और सकारात्मकता का पोषण करने का प्रयास करता है। यह पहल मातृत्व को एक आध्यात्मिक साधना में बदल देती है, जहाँ प्रत्येक माँ भावना, प्रार्थना, संगीत, ध्यान और प्रेम के माध्यम से अपने अजन्मे बच्चे से जुड़ती है। भारतीय परंपरा में, गर्भावस्था को कभी भी केवल एक जैविक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक पवित्र आध्यात्मिक तपस्या के रूप में देखा गया है। यह लंबे समय से माना जाता रहा है कि बच्चे का चरित्र निर्माण जन्म के समय नहीं, बल्कि गर्भाधान के क्षण से ही शुरू हो जाता है। माँ का गर्भ जीवन की प्रथम पाठशाला है। व्यास, चरक, सुश्रुत और मनु जैसे प्राचीन ऋषियों और उपनिषदों ने गर्भावस्था के दौरान की स्थितियों के महत्व पर बल दिया है। गर्भ संस्कार का शाब्दिक अर्थ है, गर्भस्थ शिशु के शरीर, मन और आत्मा का शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक ऊर्जा से पोषण करना। गर्भ उपनिषद में कहा गया है कि गर्भवती स्त्री के भाव, विचार, आहार और वातावरण शिशु के मानसिक और भावनात्मक विकास को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए, उसे 'चेतन रचनाकार' कहा गया है। महाभारत में इसके ज्वलंत उदाहरण मिलते हैं-जब कुंती ने अपने प्रत्येक पुत्र को गर्भ धारण करने से पहले दिव्य मंत्रों का जाप किया, तो उस समय उनकी मानसिक स्थिति ने उनके पुत्रों को आकार दिया। इसी प्रकार, अभिमन्यु द्वारा अपनी माता सुभद्रा के गर्भ में चक्रव्यूह का रहस्य जानने की कथा गर्भ संस्कार की वैज्ञानिक गहराई को दर्शाती है। आधुनिक विज्ञान अब इस बात की पुष्टि करता है कि शिशु के मस्तिष्क का लगभग अस्सी प्रतिशत विकास गर्भ में ही होता है। गर्भ एक निष्क्रिय भौतिक स्थान नहीं है; यह ऊर्जा और बुद्धि का एक गतिशील केंद्र है जो शिशु के भावी व्यक्तित्व को आकार देता है। इस अवधारणा को व्यावहारिक बनाने के लिए, अंकुरम कार्यक्रम गर्भवती माताओं को सशक्त बनाने हेतु एक व्यापक प्रशिक्षण मॉडल प्रस्तुत करता है। यह प्रशिक्षण गर्भ संस्कार के पीछे के प्राचीन विज्ञान, शिशु की शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धि के सचेतन विकास, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव, और ध्यान, मंत्रोच्चार, शास्त्र वाचन और सेवा गतिविधियों के माध्यम से भावनात्मक और आध्यात्मिक सामंजस्य के विकास को शामिल करता है। इस कार्यक्रम में दिव्य प्रसव और माताओं एवं नवजात शिशुओं की प्रसवोत्तर देखभाल के लिए मार्गदर्शन भी शामिल है। गर्भ संस्कार अकादमी की संस्थापक डॉ. सोनल जैन जायसवाल इस दृष्टिकोण को उल्लेखनीय समर्पण के साथ साकार करने का नेतृत्व कर रही हैं। अंकुरम का दार्शनिक आधार आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान में निहित है, जिसने यह स्थापित किया कि ध्यान केवल तपस्वियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के सभी चरणों के लिए सर्वोच्च औषधि है। इसका मूल संदेश-"बोध करो, जानो और रूपांतरित करो", यहाँ अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। जब एक माँ ध्यान करती है, तो उसकी उन्नत चेतना उसके अजन्मे बच्चे की चेतना को प्रकाशित करती है। आचार्य महाप्रज्ञ कहा करते थे, "गर्भ ध्यान का प्रथम मंदिर है। वहाँ उत्पन्न स्पंदन जीवन भर बच्चे के व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं।" इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, आचार्य श्री महाश्रमण ने इस संस्कार को आधुनिक संदर्भ में विस्तारित किया है, और कहा है कि भय, अशांति और तनाव से ग्रस्त इस विश्व में, गर्भ संस्कार जैसी पहल मानवता को स्थायी शांति और मूल्यों की ओर ले जा सकती है। मातृत्व स्वयं एक पवित्र तपस्या है, और अंकुरम उस तपस्या को चेतना के उत्सव में बदल देता है। अंकुरम गर्भ संस्कार योग, ध्यान और आधुनिक विज्ञान का सुंदर समन्वय करता है। यह इस समझ पर आधारित है कि एक माँ के विचारों और भावनाओं का गर्भस्थ शिशु पर सीधा प्रभाव पड़ता है। योग, प्राणायाम और प्रेक्षा तकनीकों के माध्यम से, गर्भवती माताएँ शांत, संतुलित और आनंदित रहना सीखती हैं, जिससे शांत, स्वस्थ और मूल्य-उन्मुख बच्चे जन्मते हैं। जैसाकि सुमन नाहटा बताती हैं, अंकुरम एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है जो भावी माताओं को गर्भावस्था को एक आध्यात्मिक साधना में बदलना सिखाती है ताकि प्रत्येक जन्म के साथ, मूल्यों का एक नया सूर्योदय धरती पर उदित हो। यह पहल माताओं से आगे बढ़कर एक राष्ट्र-निर्माण आंदोलन है। एक मूल्य-उन्मुख पीढ़ी ही एक सशक्त समाज और एक शांतिपूर्ण विश्व की सच्ची नींव है। इस प्रकार, अंकुरम गर्भ संस्कार केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि योग, विज्ञान, मनोविज्ञान और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने वाला एक आध्यात्मिक आंदोलन है। आचार्य श्री महाश्रमण ने ठीक ही कहा है कि संस्कार बचपन में नहीं, बल्कि गर्भ में ही शुरू हो जाते हैं। एक माँ जो सजगता, करुणा और संयम के साथ जीवन जीती है, वह एक ऐसे बच्चे को जन्म देती है जो समाज में प्रकाश फैलाता है। अंकुरम के माध्यम से, हम एक सुसंस्कृत भारत की नींव रख रहे हैं। सुसंस्कृत मातृत्व सुसंस्कृत मानवता की ओर पहला कदम है। बीज से वृक्ष तक, यह पहल एक नई मानवता के पोषण की प्रयोगशाला है। इसे भारत के उन्नीस राज्यों के साथ-साथ नेपाल और भूटान में तेरापंथ महिला मंडलों की पाँच सौ पचास शाखाओं में सत्तर हज़ार से ज़्यादा महिलाओं द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा। अंकुरम गर्भ संस्कार मातृत्व को एक ध्यानपूर्ण यात्रा में बदल देगा-जहां माँ और बच्चे के बीच एक मौन संवाद, जो शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं के माध्यम से व्यक्त होगा। यह धर्म, योग और शांति का संवाद है। यह पहल एक नई चेतना जगाती है कि अगर हम गर्भ से ही मूल्य-निर्माण शुरू कर दें, तो हम दुनिया से हिंसा, बेचैनी और नैतिक पतन को मिटा सकते हैं। जैसाकि आचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत खूबसूरती से कहा है, 'जब एक माँ ध्यान में प्रवेश करती है, तो मानवता का भविष्य प्रार्थना बन जाता है।' भारतीय चिंतन में, मातृत्व को हमेशा से ही सर्वोच्च देवत्व-जननी, धात्री, अन्नपूर्णा और भूमिका देवी के रूप में पूजनीय माना गया है। माँ की गोद मूल्यों का सबसे बड़ा पवित्र स्थान है। हमारे महाकाव्य, रामायण और महाभारत, मातृ कृपा के अनगिनत आदर्शों को दर्शाते हैं-कौशल्या की कोमलता, सीता का साहस, कुंती का धैर्य और गार्गी-मैत्रेयी का ज्ञान। भारतीय संस्कृति में मातृत्व केवल एक रिश्ता नहीं है, यह एक आध्यात्मिक शक्ति, एक पवित्र ऊर्जा और समस्त सृष्टि का स्रोत है। गर्भ एक दिव्य प्रयोगशाला है जहाँ न केवल शरीर, बल्कि मानवता की आत्मा और मूल्यों का भी निर्माण होता है। तनाव, प्रतिस्पर्धा और कृत्रिमता से ग्रस्त आज के भौतिकवादी संसार में, गर्भ संस्कार का पुनरुत्थान मानवता की जड़ों को एक बार फिर पोषित करने का मार्ग प्रस्तुत करता है। वैज्ञानिक अध्ययन अब इस बात की पुष्टि करते हैं कि एक माँ की मानसिक शांति, भक्ति, संगीत, योग और संतुलित आहार का अजन्मे बच्चे की बुद्धि, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अंततः, अंकुरम का संदेश शाश्वत है- केवल सुसंस्कृत माताएँ ही सुसंस्कृत संतान को जन्म दे सकती हैं और ऐसी संतानें स्वर्ण युग की नींव रखेंगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंध और अलौकिक अनुभव

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) विष्णु कांत चतुर्वेदी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी के पावन पर्व पर अपनी एक शताब्दी की यात्रा पूरी कर ली है। हम सब ने बहुत कुछ जाने-अनजाने में इस संस्था के कार्य और उनकी संरचना के बारे में सुना है या फिर स्वयं भी किसी न किसी रूप में अनुभव किया है। मेरा भी इस संगठन से जुडाव कुछ इसी प्रकार हुआ। मैं 31 मई 2011 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुआ। तब तक, मैने इस संगठन के बारे में केवल अखबारों में, पत्रिकाओं में या फिर कभी किसी राजनीतिक चर्चाओं में सुना था। मैं अब यह कह सकता हूं कि एक ऐसा संगठन जिसने अपने आप को केवल मानवता और राष्ट्र को समर्पित कर दिया, मैं स्वयं सेना की नौकरी में कार्यान्वित होने के कारण इस संगठन के उत्कृष्ट कार्यो से अनभिज्ञ रहा। ऐसा भी नहीं, कि मैंने अपने सेना के सेवाकाल में, इस संगठन के कार्यों का अनुभव नहीं किया, लेकिन कभी ध्यान ही नहीं दिया कि, यह निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता है। सेवानिवृत्त के बाद, मुझे इस संगठन के कुछ कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला, इसमें मुझे एक अप्रत्याशित सुख का अनुभव हुआ। कभी कभी, कुछ विविध संगठन मुझे अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करने लगे, मैं जाने लगा, मुझे भी जाकर बहुत अच्छा लगता था। आत्मीयता, सहजता, नम्रता का व्यवहार मुझे बहुत ही प्रभावित करता था। सभी को आदर, सदैव भाषा की मर्यादा का पालन, अनुशासन और समय का पालन, मुझे अपने सेना के सेवाकाल की यादों में ले जाता था। धीरे-धीरे, मै बिल्कुल राष्ट्रीय स्वयंसेवक की कार्यशैली में पूरी तरह से रम गया। मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के सम्पर्क में भी आने लगा, उनकी विचारधारा, नैतिक मूल्य और राष्ट्र के प्रति सम्पूर्ण समर्पण की भावना मुझे बहुत ही प्रभावित करने लगी, क्योंकि ये वही मूल्य थे जिनको मैं सेना में रहते हुए पूर्णरूपेण स्वीकार कर चुका था। इसलिए मुझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में फिर से अपनापन लगने लगा और मैं प्राकृतिक रूप से इस परिवार का एक छोटा सा हिस्सा बन गया। 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' का यह वाक्य केवल वाक्य नहीं है, मैने इन 12/13 वर्षों में इस पर कैसे अमल किया जाता है स्वयं देखा है। 'संकल्प से सिद्धि' किस प्रकार प्राप्त होती है, यह मैंने अनुभव की है। जब भी कोई समस्या, किसी भी क्षेत्र से हो, आती है, तो उस पर गहन विचार किया जाता है, सामूहिक चर्चा होती है, सभी को पूर्ण स्वतंत्रता होती है अपने विचार रखने की, और फिर, इस समस्या के समाधान के विकल्पों पर विचार कर के निर्णय लेने की पद्धति, एक समावेशी कार्यशैली जिसमें सभी भागीदार हों को इंगित करती है। यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विशेषता है। मैं पूर्ण रूप से आश्वस्त हूं और पूरे विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना एक दैवीय संयोग है । भारत की पहचान, भारत की संस्कृति की निरंतरता, भाषाओं, विरासत,धरोहर और परंपराओं की रक्षा के लिए ईश्वर ने इस संगठन की स्थापना की है। अगर विजय दशमी के दिन, वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूजनीय डा. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नहीं की जाती, तो हमारे प्रिय भारत का भविष्य क्या होता शायद कोई नहीं बता सकता। केवल कल्पना की जा सकती है। कठिन परिस्थितियों में, कोई भी साधन न उपलब्ध होने के बाबजूद भी ये मुठ्ठी भर कर्मठ, निष्ठावान कार्यकर्ता, अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपना सर्वोच्च समर्पित कर के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के मार्ग पर प्रशस्ति हो गये और हमारे प्राणों से भी प्यारे भारत की भारतीयता की रक्षा की। असंख्य कठिनाइयों, सामाजिक, प्रशासनिक, राजनीतिक विरोध और बहुत ही न्यूनतम साधनों के साथ के बावजूद लगन, ये भारत के वीर अपनी प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ समर्पण भाव से केवल राष्ट्र और समाज निर्माण के लिए दृढ़ संकल्प के साथ लगे रहे। भारत को और भारतीयता को बचाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का योगदान अकल्पनीय है, अनुकरणीय है। आज जब यह बटवृक्ष बहुत विशाल रुप धारण कर चुका है तो मुझे लगता है कि यह उन महान विभूतियों के संघर्ष, त्याग तपस्या और बलिदान के कारण ही संभव हुआ है। मैं स्वयं भी एक सैनिक हूं,और निस्वार्थ सेवा, सेवा परमोधर्म, त्याग, बलिदान के अर्थ भली-भांति समझता हूं, लेकिन जो राष्ट्र प्रेम, समाज सेवा और राष्ट्र प्रथम की भावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक प्रदर्शित करते हैं उसके लिए शायद कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है यह एक उत्कृष्ट, अद्वितीय और अनुकरणीय मूल्य हैं जिनको हम शब्दों में नहीं बांध पायेंगे, केवल इसका अनुभव ही कर पायेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विस्तार आज राष्ट्र के हर आवश्यक क्षेत्र, जैसे कि आदिवासी और जन जातीय उत्थान,महिला सशक्तिकरण, जनसंख्या असुंतलन, राष्ट्रीय सुरक्षा, परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, विज्ञान और तकनीकी विकास, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण, कृषि क्षेत्र में सुधार, प्रचार के विश्वसनीय माध्यम, विमर्श निर्माण, शिक्षा पद्धति का भारतीयकरण, क्रीडा विकास, नागरिक कर्तव्य, नक्सली गतिविधियां पर नियंत्रण पूर्वोत्तर राज्यों का विकास, व्यक्ति/चरित्र निर्माण , भारतीय विरासत/परंपराओं की रक्षा, पारंपरिक भाषाओं का उत्थान, भारतीय खान-पान में गर्व, राष्ट्रीय तीज त्यौहारों को उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाना , आधार भूत संरचना का विकास, न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण, प्रशासनिक सुधार, रोजगार के अवसर, स्वाबलंबन, पर्यावरण ,आत्मनिर्भरता, इत्यादि सभी क्षेत्रों में बहुत ही गुणात्मक रूप से हो चुका है।बहुत ही उत्कृष्ट और अकल्पनीय कार्य हो रहा है । भविष्य के लिए भी बिल्कुल स्पष्ट प्रतिमान स्थापित किये जा चुके हैं और उनको प्राप्त करने के लिए पूरी गति से कार्य चल रहा है। एक बहुत ही महत्वपूर्ण दृष्टिकोण की तरफ में आप सब का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इस संगठन में जब आप पूरी तरह से रम जाते हैं तो आप को स्वयं यह अनुभव होता है कि आप राष्ट्र के सबसे शिक्षित, अनुभवी और त्यागी महापुरुषों के बीच में है। सभी पढ़े-लिखे हैं, अनुभवी है और यह सब अनुभव केवल पुस्तकों से न होकर, जमीन पर जाने से, लोगों से मिलकर, स्वयं अनुभव करके और कुछ प्रतिष्ठित और ज्ञानी लोगों से चर्चा करके प्राप्त हुआ है। जब भी आप कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श करते हैं तो आपको एक बहुत ही रोचक अनुभूति होती है। सादा जीवन उच्च विचार को चरितार्थ करते हुए, यह संगठन और स्वयंसेवक कभी भी, किसी भी उपलब्धि का श्रेय लेने को मुखर नहीं रहते,श्रेय लेना उनका व्यक्तित्व नहीं है। सदैव इनका भाव रहता है राष्ट्र की, मानवता की, पर्यावरण की परिवार की समाज की किस प्रकार सेवा की जा सकती है। सेवा, सहायता, विकास, प्रगति गरीब कल्याण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता ही इस संगठन का मूल मंत्र है और ये भारत के वीर उस पथ पर निश्चल, निडर होकर सदैव आगे बढ़ते जा रहे हैं। मेरा यह सौभाग्य रहा कि जाने अनजाने में ही सही मैं इस अद्वितीय संगठन से जुड गया हूं। मैं स्वयं अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करता हूं कि एक ऐसा संगठन जो भारत, भारतीयता, और भारतीयों के लिए कार्य करती है और राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र प्रथम के अतिरिक्त इसके केंद्रबिंदु में और कोई भी विचार नहीं है, मैं उस संगठन से संबंधित हूं। इस दौरान मैं कुछ अभूतपूर्व महानुभावों से भी मिला जिन्होंने मेरे जीवन को एक सकारात्मक नई दिशा दी है।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा। आज किसी से अपने मन की बात शेयर करेंगे, वे आपकी बातों की अहमियत देंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है। सफलता के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे। सभी जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे। छात्रों के लिए सफलता का दिन साबित होगा, बस थोड़ी और मेहनत करें।

अमित शाह की चिंता, भारत का भारत बने रहना और घटती हिन्दू जनसंखया

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत केवल भौगोलिक या राजनीतिक रूप से एक राष्ट्र नहीं है; यह एक सभ्यता और संस्कृति है, जिसकी पहचान हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति में निहित है। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' केवल व्यक्तिगत या धार्मिक कल्याण का संदेश नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति और समरसता की भावना को भी दर्शाता है। वेदों और उपनिषदों में उल्लिखित 'द्यौः शान्तिः, अन्तरिक्ष शान्तिः' जैसे मंत्र इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय सभ्यता हमेशा विश्व कल्याण और मानव कल्याण को प्राथमिकता देती रही है केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक संबोधन में अवैध घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1% से घटकर 79% हो गया, जबकि मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8% से बढ़कर 14.2% तक पहुंच गया (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आधिकारिक X हैंडल)। 2001-2011 की अवधि में हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर 16.8% थी, जबकि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6% थी (जनगणना 2011, भारत सरकार, मंत्रालय आबादी एवं सामाजिक कल्याण)। अमित शाह ने इन आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए इसे अवैध घुसपैठ और वोट बैंक राजनीति से जोड़कर समझाया। वस्तुतः यहां शाह का कहना है कि अवैध घुसपैठ केवल सीमाओं का सवाल नहीं है। राजनीतिक दलों द्वारा घुसपैठियों को आश्रय देने की नीति ने जनसंख्या संतुलन को प्रभावित किया है। यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश 'धर्मशाला' बन जाएगा, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अखंडता के लिए गंभीर खतरा है। अब बात यहां इसमें हिन्दू सभ्यता और संस्कृति की है, जिसके कारण से भारत की मूल पहचान उसके होने से है। ये सच तो स्वीकारना ही होगा कि हिंदू संस्कृति सिर्फ धार्मिक पहचान नहीं है, यह समाज में नैतिक और आध्यात्मिक दिशा भी प्रदान करती है। ऋषियों द्वारा गाए गए 'विश्व तक्षु' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे मंत्र समाज के हर व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि अन्य लोगों के सुख और शांति में ही अपना सुख और शांति निहित है इसलिए, जब हिंदू जनसंख्या घटती है, तो यह केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर होता हुआ दिखता है। अमित शाह जब ये कहते हैं कि शरणार्थियों और घुसपैठियों में अंतर है। धार्मिक प्रताड़ना से बचने वाले लोग शरणार्थी हैं और उनका स्वागत भारत हमेशा करेगा, विशेषकर पड़ोसी देशों के प्रताड़ित हिंदुओं का, इसके विपरीत, आर्थिक कारणों से अवैध रूप से आने वाले लोग घुसपैठिये हैं, जिन पर सख्ती से अंकुश लगेगा, तब यह समझलीजिए कि शाह यह पूरी तरह से स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि भले ही भारत का विभाजन धर्म के आधार पर इस्लामवादियों की जिद के चलते हुआ हो, किंतु अखण्ड भारत (1947 पूर्व) के क्षेत्र में यदि कहीं भी हिन्दू जीवन जी रहे व्यक्ति को दिक्कत आएगी तो उसका मूल संरक्षण क्षेत्र भारत ही हो सकता है, ऐसे में उसकी चिंता करना भारत का मूल कर्तव्य है, क्योंकि जो विभाजन हुआ वह उसकी मंशा नहीं थी, ऐसे में उसे इसकी सजा मिले, यह उचित नहीं हो सकता। पर जिन्होंने मजहब को आधार बनाकर भारत को टुकड़ों में बांटा है, वास्तव में उनके लिए शेष भारत अपने दरवाजे खुले नहीं छोड़ सकता। देखा जाए तो यह नीति न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि सांस्कृतिक अखंडता और हिंदू संस्कृति की सुरक्षा के लिए भी अनिवार्य है। क्योंकि जनसंख्या असंतुलन का महत्व केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह समाज में संरचना और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित करता है। अमित शाह ने उदाहरण के रूप में झारखंड में जनजातीय आबादी की गिरावट को बांग्लादेश से घुसपैठ से जोड़ा है, इसलिए ही उन्होंने हाई-पावर्ड डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा की है ताकि अवैध प्रवासन के व्यापक अध्ययन और नियंत्रण को सुनिश्चित किया जा सके। अमित शाह की चिंता का केंद्र केवल राजनीतिक नहीं है; यह सांस्कृतिक अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। हिंदू संस्कृति की मूल विशेषता है अहिंसा, सहिष्णुता और सार्वभौमिक कल्याण की भावना। इसके मंत्र 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'सर्वे सन्तु निरामयाः' सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय समरसता का भी मार्गदर्शन करते हैं। इस संस्कृति के संरक्षण के बिना भारत की असली पहचान खतरे में पड़ती है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दलों द्वारा अवैध प्रवासियों को संरक्षण देने की नीति से जनसंख्या संतुलन बिगड़ता है और यह देश की सांस्कृतिक पहचान पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए भाजपा की नीति 'डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट' अवैध घुसपैठियों के नियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में कहना यही होगा कि हिंदू संस्कृति का संरक्षण केवल धार्मिक मुद्दा नहीं है; यह सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखना, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना और अवैध घुसपैठ पर नियंत्रण रखना एक साथ भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची शुद्धिकरण (SIR) प्रक्रिया के माध्यम से अवैध रूप से आए लोगों की पहचान की जाएगी, लेकिन देश में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाएगा (स्रोतः मतदाता सूची शुद्धिकरण (SIR) प्रक्रिया, चुनाव आयोग, भारत)। दूसरी ओर हिंदू संस्कृति का वैश्विक संदेश मानवता के लिए प्रेरक है। इसके सिद्धांत समाज और राष्ट्र की नैतिक दिशा तय करते हैं। जब भारत में हिंदू जनसंख्या घटती है, तो इसका असर सांस्कृतिक आधार और राष्ट्रीय पहचान पर भी पड़ता है इसलिए यह आवश्यक है कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और हिंदू संस्कृति को संरक्षित किया जाए। भारत का अस्तित्व केवल भौगोलिक और राजनीतिक नहीं है; यह एक सभ्यता, संस्कृति और धर्म पर आधारित पहचान है। अमित शाह की चिंता कि भारत का भारत बने रहना चाहिए, केवल राजनीतिक बयान नहीं है; यह सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्तित्व की चुनौती है। हिंदू संस्कृति, जो विश्व कल्याण और सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना में निहित है, केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है (स्रोतः वेदों और उपनिषदों में उल्लिखित मंत्र, ऋषि परंपरा, भारत)। कुल निष्कर्ष यह है कि जनसंख्या असंतुलन, अवैध घुसपैठ और वोट बैंक की राजनीति इस संस्कृति और देश की पहचान के लिए खतरा हैं, अतः यह आवश्यक है कि भारत अपने सांस्कृतिक मूल्यों, हिंदू संस्कृति और जनसंख्या संतुलन को संरक्षित करे। जब तक हिंदू संस्कृति जीवित है और उसके मूल सिद्धांतों का पालन होता है, तब तक भारत वास्तव में भारत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित और पंत को पीछे छोड़ा शुभमन गिल ने

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में नया इतिहास रच दिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले के दूसरे दिन गिल ने यह उपलब्धि हासिल की और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस दौरान भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दोनों को पीछे छोड़ दिया। गिल ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टूर्नामेंट में अपने शानदार आंकड़ों से खुद को शीर्ष पर पहुंचा दिया। शुभमन गिल ने अब तक 39 मैचों की 71 पारियों में 42.36 के औसत से 2750 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम अब तक 9 शतक दर्ज हैं, जिनमें कई निर्णायक पारियां शामिल हैं जिन्होंने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मुकाबले में गिल की बल्लेबाजी ने फिर एक बार यह साबित कर दिया कि वह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के भविष्य के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने 38 मैचों में 43.34 के औसत से 2731 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2716 रन अपने नाम किए हैं। विराट कोहली ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 46 मैचों में 2627 रन बनाए हैं। इनके अलावा रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भी इस टूर्नामेंट में 2000 से अधिक रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी की मजबूती को दर्शाया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट के नाम है। रूट ने अब तक 69 मैचों में 52.86 के औसत से 6080 रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने 21 शतक जड़े हैं। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। गिल अब इस सूची में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है। इस बीच भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शानदार फॉर्म में नजर आए। हालांकि वह दोहरा शतक लगाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने 258 गेंदों में 175 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 22 चौके शामिल थे। जायसवाल की यह पारी भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम साबित हुई।

शिवाजी पार्क में घंटों प्रैक्टिस करते दिखे रोहित शर्मा

फैंस की भीड़ संभालने उतरे मेंटोर अभिषेक नायर

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेट के 'हिटमैन' रोहित शर्मा भले ही अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुके हों, लेकिन उनके लिए फैंस का प्यार अब भी बरकरार है। हाल ही में उनसे वनडे टीम की कप्तानी छीन ली गई है, जबकि वह पहले ही टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इन सबके बीच शुक्रवार को सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह मुंबई के मशहूर शिवाजी पार्क में अभ्यास करते नजर आए। वीडियो में रोहित करीब दो घंटे तक नेट्स में जमकर बल्लेबाजी करते हुए दिखे। जैसे ही वह अभ्यास सत्र खत्म कर बाहर निकले, वहां मौजूद फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब हो उठे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि रोहित के मेंटोर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर को खुद फैंस से अपील करनी पड़ी। नायर, जो कभी रोहित के साथ मुंबई रणजी टीम में खेल चुके हैं, फैंस से कहते हुए नजर आए "कोई धक्का मत देना, हम सब फैन हैं, लेकिन उसको लगना नहीं चाहिए।" रोहित शर्मा ने यह अभ्यास सत्र नायर की निगरानी में ऑल हार्ट क्रिकेट अकादमी में किया, जो शिवाजी पार्क में स्थित है। इस दौरान मुंबई के युवा क्रिकेटर अंगकृष रघुवंशी सहित कई स्थानीय खिलाड़ी भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह अभ्यास सत्र रोहित की ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी का हिस्सा था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। रोहित शर्मा की जगह हाल ही में शुभमन गिल को भारत की वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, 38 वर्षीय रोहित अब इस सीरीज में वापसी करने जा रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच फरवरी 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेला था। उस मुकाबले में भारत ने जीत दर्ज की थी और रोहित की कप्तानी में टीम ने लगातार दूसरा आईसीसी खिताब अपने नाम किया था। हालांकि, रोहित के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें और विराट कोहली दोनों को ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। दोनों दिग्गज 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में टीम से जुड़ेंगे। रोहित, कोहली और नव-नियुक्त उपकप्तान श्रेयस अय्यर दो अलग-अलग समूहों में टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे।

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिपः हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का मीट रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी, भुवनेश्वर

एशियाई अंडर-18 चैंपियन हिमांशु जाखड़ ने शुक्रवार को कलिंगा स्टेडियम में चल रही नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ हिमांशु ने 2026 वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। सऊदी अरब में अप्रैल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में 67.57 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु ने इस बार जबरदस्त सुधार दिखाते हुए पुरुष अंडर-18 क्वालिफिकेशन राउंड में 79.96 मीटर का थ्रो दर्ज किया। यह न केवल वर्ल्ड अंडर-20 क्वालिफिकेशन मार्क (68.50 मीटर) से कहीं बेहतर था, बल्कि नीरज चोपड़ा के 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के रिकॉर्ड से भी तीन मीटर अधिक रहा। इसी प्रतियोगिता में मोहित चौधरी ने अंडर-20 पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:09.71 सेकंड का समय लेकर नया मीट रिकॉर्ड बनाया। वहीं ऐलिस विकल ने अंडर-16 लड़कियों की शॉट पुट क्वालिफिकेशन में 13.26 मीटर का थ्रो कर अलका सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड (13.10 मीटर) को पीछे छोड़ दिया। यह प्रदर्शन देश के जूनियर एथलीटों के शानदार उभार का संकेत है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए नई उम्मीदें जगा रहे हैं।

मेसी की गैरमौजूदगी में भी अर्जेंटीना की आसान जीत, वेनेजुएला को 1-0 से हराया

एजेंसी, मियामी

लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति के बावजूद अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मियामी में खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से पराजित किया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए मैच का एकमात्र गोल 31वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने किया। यह गोल शानदार टीम संयोजन का नतीजा था, जिसमें जूलियन अल्वारेज़ और लाउटारो मार्टिनेज की बेहतरीन साझेदारी शामिल रही। लो सेल्सो ने वेनेजुएला के गोलकीपर जोसे कॉन्ट्रेरास को सटीक लेफ्ट-फुट शॉट से मात दी। मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जहां 65,000 की क्षमता वाले स्टेडियम में मात्र 15,000 दर्शक मौजूद थे। इंटर मियामी के स्टार मेसी दर्शकदीर्घा से यह मुकाबला देखते नजर आए। अर्जेंटीना की ओर से अल्वारेज़ और मार्टिनेज ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने भी प्रभावित किया। यह मुकाबला अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान फ्लोरिडा में अर्जेंटीना के दो अभ्यास मैचों में से पहला था। विश्व चैंपियन टीम अब अगला मैच मंगलवार को फोर्ट लॉडरडेल में प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेलेगी। यह मैच मूल रूप से शिकागो के सोल्जर फील्ड में होना था, लेकिन अमेरिका में प्रवासियों पर सरकारी कार्रवाई के बीच इसे स्थानांतरित कर दिया गया।

संन्यास की घोषणा के बाद जोर्डी आल्बा ने कहा- मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है

एजेंसी, फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)

स्पेन और बार्सिलोना के दिग्गज डिफेंडर जोर्डी आल्बा ने फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला ले लिया है। इंटर मियामी के लिए खेल रहे आल्बा ने कहा कि उन्होंने दो साल और खेलने का सोचा था, लेकिन अंततः उन्होंने संन्यास लेना ही सही समझा। आल्बा ने स्पेनिश में इंटर मियामी के ट्रेनिंग बेस पर पत्रकारों से कहा, "मुझे लगता है कि यह सबसे सही फैसला है, शारीरिक रूप से मैं अभी भी अच्छा महसूस करता हूं, लेकिन ईमानदारी और निष्पक्षता इसी में है कि अब पीछे हट जाऊं। यह मेरा निजी फैसला है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सही है।" आल्बा इस सीज़न के अंत तक मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलेंगे और फिर शानदार करियर को अलविदा कह देंगे। वह स्पेन की ओर से तीन फीफा विश्व कप (2014, 2018, 2022) में खेले और बार्सिलोना को छह ला लिगा खिताब, पांच कोपा डेल रे ट्रॉफियां और 2015 में चैंपियंस लीग जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है। मुझे अपने करियर पर गर्व है।" इंटर मियामी शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले के बाद आल्बा को विशेष विदाई देगा। क्लब में कुछ ही समय पहले सर्जियो बुस्केट्स ने भी सीज़न के अंत में संन्यास लेने की घोषणा की थी। आल्बा ने इंटर मियामी के लिए अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 95 मैच खेले हैं, जिनमें 14 गोल और 38 असिस्ट शामिल हैं। आल्बा, बुस्केट्स और लुईस सुआरेज़ ने लियोनेल मेसी के साथ बार्सिलोना में सुनहरा दौर जिया था और 2023 में मेसी के मेजर लीग सॉकर में आने के बाद तीनों ने इंटर मियामी जॉइन किया था। मेसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "धन्यवाद जोर्डी। मैं तुम्हें बहुत मिस करूंगा। इतने सालों तक साथ खेलने के बाद अब मैदान पर बाईं ओर तुम्हें न देख पाना अजीब लगेगा।" मेसी और आल्बा की जोड़ी फुटबॉल में अपनी अद्भुत समझ के लिए जानी जाती है।

व्यापार

एशियन पेंट्स की मोनोपोली का रंग हुआ फीका, बिरला ओपस और बर्जर ने दिखाई नई चमक

नई दिल्ली। भारत के रंग-बिरंगे पेंट बाजार में अब एशियन पेंट्स का नीला रंग फीका पड़ने लगा है। कभी 90% हिस्सेदारी के साथ 'पेंट की बादशाह' कही जाने वाली यह कंपनी अब 52% पर सिमट गई है। तीन सालों में 17% शेयर वैल्यू गिरने के बाद कंपनी की दीवारों पर अब "दरारें" साफ दिखने लगी हैं। जहाँ पहले एशियन पेंट्स का मतलब ही पेंट होता था, वहीं अब बाजार में कई नए रंग चढ़ चुके हैं और हर रंग के पीछे एक नया खिलाड़ी खड़ा है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, एशियन पेंट्स के ताज को चुनौती देने में सबसे आगे है बर्जर पेंट्स, जिसने 18% हिस्सेदारी के साथ खुद को दूसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित कर लिया है। कंसाई नेरोलैक पेंट्स 15% बाजार पर कब्जा जमाकर जापानी गुणवत्ता के साथ मजबूती से खड़ी है। वहीं, ग्रासिम इंडस्ट्रीज के तहत लॉन्च हुआ बिरला ओपस पेंट्स ने तो कुछ ही महीनों में धमाल मचा दिया है। 7% बाजार हिस्सेदारी हासिल कर उसने साबित कर दिया कि "ओपस" अब सिर्फ नाम नहीं, बल्कि एशियन पेंट्स के लिए एक "ओपसिट खतरा" है। बाजार में प्रतिस्पर्धा अब इतनी बढ़ गई है कि उपभोक्ताओं के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। अक्जो नोबेल (डुलक्स) जैसे वैश्विक खिलाड़ी 7% हिस्सेदारी के साथ प्रीमियम सेगमेंट में मजबूती से डटे हैं। वहीं इंडिगो, शालीमार, निप्पॉन, ब्रिटिश पेंट्स जैसे ब्रांड्स किफायती विकल्पों के साथ तेजी से पैर पसार रहे हैं। अब यह साफ है कि भारत का पेंट

बाजार "मोनोपोली" से निकलकर "मल्टीकलर कॉम्पिटिशन" में बदल चुका है। एशियन पेंट्स को न केवल बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि कंपनी की छवि पर कानूनी विवादों और खराब तिमाही प्रदर्शन ने भी असर डाला है। वित्तीय रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ तिमाहियों में मुनाफा घटने से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। बिरला ओपस ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है। बिड़ला समूह ने इस ब्रांड में करीब 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बताया जा रहा है कि ओपस की कीमत एशियन पेंट्स से 7% सस्ती है, जबकि सामग्री की मात्रा 10% अधिक है। यानी उपभोक्ताओं को "कम दाम में ज़्यादा रंग" मिल रहा है, और यही बात बाजार में उसके लिए सबसे बड़ी पूंजी साबित हो रही है। बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र होगी। एशियन पेंट्स को अपनी रणनीति, उत्पाद गुणवत्ता और मूल्य निर्धारण पर फिर से काम करना होगा, नहीं तो "90% का युग" अब बीती कहानी बन जाएगा। संक्षेप में कहें तो "अब दीवारों पर सिर्फ एशियन का नहीं, बिरला और बर्जर का भी रंग चढ़ने लगा है।" मोनोपोली की दीवार दरक चुकी है, और अब हर कंपनी अपनी "ब्रश स्ट्रोक" से भारतीय बाजार को रंगने की होड़ में है।

ईएफटीए के सदस्य देश 100 अरब डॉलर के निवेश, दस लाख रोजगार सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। भारत की व्यापार नीति के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षरित भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) एक अक्टूबर से प्रभावी हो गया। ये भारत का चार विकसित यूरोपीय राष्ट्रों के साथ पहला मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। यह 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख नौकरियों को बढ़ावा देने वाला समझौता है। देश के सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों में से एक माने जाने वाले इस समझौते के तहत ईएफटीए के सदस्य देश अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लाने के साथ-साथ दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत का यह पहला ऐसा एफटीए है जिसमें इस तरह का बाध्यकारी संकल्प जाहिर किया गया है। किसी भी भारतीय एफटीए में पहली बार किया गया यह बाध्यकारी वचन, विनिर्माण, नवाचार और अनुसंधान में दीर्घकालिक, क्षमता निर्माण निवेश पर समझौते के फोकस को रेखांकित करता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक टीईपीए जिसमें 14 अध्याय शामिल हैं, वस्तुओं के लिए बाज़ार पहुंच, व्यापार सुगमता, निवेश प्रोत्साहन, सेवाएं, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल करता है। यह भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को ईएफटीए के विविध, सुदृढ़ साझेदारियों के प्रयासों के साथ जोड़ता है, जिससे भारत और इन यूरोपीय देशों के बीच गहरे आर्थिक संबंधों को बढ़ावा मिलता है।

टीईपीए क्या है?

टीईपीए (व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता) एक आधुनिक और महत्वाकांक्षी समझौता है, जिसमें भारत द्वारा हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पहली बार निवेश और रोज़गार सृजन पर बाध्यकारी संकल्प जाहिर किया गया है।

इंडिगो 10 नवंबर से दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच संचालित करेगी सीधी उड़ानें

नई दिल्ली। देश में किफायती विमानन सेवा प्रदाता इंडिगो एयरलाइन ने शनिवार को दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच अपनी दैनिक सीधी सविर्स शुरू करने का ऐलान किया, जो 10 नवंबर से शुरू होगी। इंडिगो ने 20 दिसंबर 2025 से दिल्ली और हनोई के बीच भी दैनिक सीधी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि नए मार्ग पर एयरबस ए320 विमान का उपयोग किया जाएगा। ये कदम लगभग 5 वर्षों के अंतराल के बाद दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क की क्रमिक बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एशिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं की राष्ट्रीय राजधानियों के बीच संपर्क बढ़ेगा। इंडिगो की ये घोषणाएं इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्रालय द्वारा भारत और चीन के बीच

सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की पुष्टि के बाद की गई हैं। इस घोषणा के बाद दोनों पक्षों ने इस घटनाक्रम को कोरोना महामारी और डोकलाम के बाद संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। इसके अलावा इंडिगो ने 20 दिसंबर से दिल्ली और हनोई के बीच दैनिक सीधी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। देश की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो इस नए मार्ग पर अपने एयरबस ए320 विमान का संचालन करेगी, जो भारत की राजधानी से दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे जीवंत सांस्कृतिक और व्यावसायिक केंद्रों में से एक तक निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इंडिगो वर्तमान में कोलकाता से हनोई और हो ची मिन्ह सिटी को जोड़ने वाली 14 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती रही

» कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई है, जो पिछले तीन महीनों में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त मानी जा रही है। चार प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस सप्ताह कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही, जहां दोनों सेक्टर्स ने लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि की। शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार शुरुआत की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 81,300 के स्तर पर खुला और दिन के अंत में 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,000 के पार खुला और 183.40 अंक की बढ़त के साथ 25,077.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 136.63 और 30.65 अंक की तेजी दर्ज की। बुधवार को आईटी शेयरों में बढ़त और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 153.09 अंक गिरकर

81,773.66 और निफ्टी 62.15 अंक घटकर 25,046.15 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार ने फिर जोरदार उछाल लिया; सेंसेक्स ने 398.44 अंक की बढ़त के साथ 82,172.10 और निफ्टी ने 135.65 अंक की तेजी के साथ 25,181.80 अंक पर कारोबार खत्म किया। शुक्रवार को भी बाजार में तेजी बनी रही। सेंसेक्स 328.72 अंक उछलकर 82,500.82 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 103.55 अंक की बढ़त के साथ 25,285.35 अंक दर्ज किए। हालांकि, इस्राइल-हमास शांति वार्ता और अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा शांति योजना के कारण निवेशक सतर्क नजर आए।

दिवाली पर ऑनलाइन धोखाधड़ी का बढ़ता खतरा

• हर तीसरे भारतीय को नुकसान

नई दिल्ली। जैसे-जैसे भारत में दीवाली नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे ऑनलाइन खरीदारी भी बढ़ रही है। लेकिन इस दौरान साइबर अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं और उपभोक्ताओं को ठगने की कोशिश करते हैं। एक साइबर सुरक्षा फर्म के शोध के अनुसार, हर तीन में से एक भारतीय ग्राहक छुट्टियों से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुका है। इनमें से 37 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक नुकसान होने की बात कही है। साइबर अपराधी डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके हस्तियों के नकली विज्ञापन बनाते हैं। इसके अलावा, फर्जी ईमेल, मैसेज और वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) का उपयोग कर धोखाधड़ी की जाती है। फर्जी गिफ्ट कार्ड, सीमित समय की छूट, और नकली रिफंड ऑफर उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रोजाना औसतन एक भारतीय को 12 बार धोखाधड़ी के प्रयास का सामना करना पड़ता है। त्योहारी सीजन में 64

प्रतिशत लोग बेहतर छूट के कारण ऑनलाइन खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं। 77 प्रतिशत ग्राहक मोबाइल के जरिए खरीदारी करते हैं। 25 से 44 वर्ष की आयु वाले युवा सबसे ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिससे डिजिटल खरीदारी में तेजी आई है। 91 प्रतिशत धोखाधड़ी का शिकार हुए लोग मानसिक तनाव और शर्मिंदगी महसूस करते हैं। 28 प्रतिशत लोग अपने अनुभव साझा करने से कतराते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ताओं को जागरूक होकर सावधानी बरतनी होगी और सुरक्षा उपाय अपनाने होंगे, ताकि वे साइबर अपराध से बच सकें।

फिल्म प्रमोशन में क्लिकबेट सवालों के जवाब देकर वायरल होने की होड़ : वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म की टीम इसके जोरदार प्रमोशन में जुटी है। वरुण धवन ने आईएएनएस से खास बातचीत में बताया कि फिल्म के प्रमोशन के दौरान आजकल एक्टर्स को जबरदस्ती के सवालों का जवाब देना पड़ता है। इनमें कुछ क्लिकबेट सवाल होते हैं, जो सिर्फ वायरल होने के लिए ही पूछे जाते हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे आजकल फिल्म प्रमोशन और मार्केटिंग में पारंपरिक गर्मजोशी और मस्ती-मजाक की कमी हो रही है। जब वरुण धवन से पूछा गया कि क्या आजकल फिल्म प्रमोशन में प्रामाणिकता की कमी है, तो वरुण धवन ने आईएएनएस से कहा, पहले के इंटरव्यू में ईमानदारी और एक-दूसरे से जुड़ने का एहसास होता था। अब अक्सर ऐसा लगता है कि हम दर्शकों से जुड़ने के बजाए ऐसे सवालों के जवाब दे रहे हैं जो वायरल होने के लिए पूछे जाते हैं। हमें और भी गहरे और सार्थक इंटरव्यू और सवाल-जवाब की जरूरत है। उनके विचारों से सहमति जताते हुए जाह्नवी कपूर ने कहा, सोशल मीडिया के साथ सब कुछ बदल गया है। हम अभी भी मार्केटिंग के पुराने फार्मूले अपना रहे हैं, लेकिन दर्शक और भी ज्यादा स्मार्ट हो गए हैं। यहां तक कि इंटरव्यूज में भी वह उत्साह नहीं रहा, जैसे कोई बातचीत के बीच में ही माइक एडजस्ट कर देता हो। मुझे खुशी है कि आज हम इतने सारे इंटरव्यूज कर रहे हैं क्योंकि इससे हमें अपने दर्शकों और उनकी उम्मीदों से फिर से जुड़ने में मदद मिलती है। इससे पहले एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने बताया था कि फिल्म के सेट पर मनीष पॉल बहुत ही एनर्जेटिक दिखाई देते थे। वह सेट को खुशनुमा बनाने और अपने किरदार को कभी भी कहीं भी परफॉर्म करने के लिए तैयार रहते थे। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: चैप्टर 1 से क्लैश होगी। दोनों फिल्में साथ ही रिलीज हो रही हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से ऋषभ शेट्टी की फिल्म को तगड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

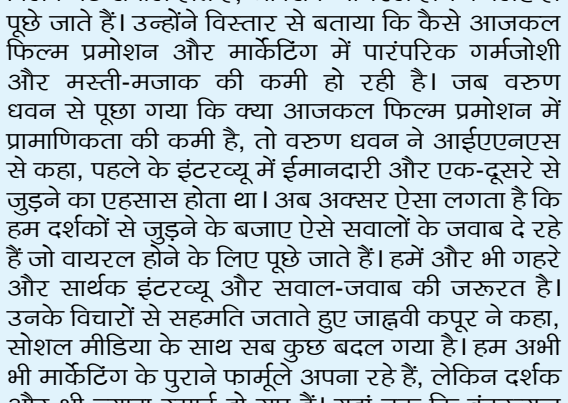

कहो न कहो की धुन पर मल्लिका शेरावत फैंस संग थिरकी

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में शिरकत की, जहां उनके सुपरहिट गाने कहो न कहो ने माहौल को जोशपूर्ण बना दिया। इस मौके पर मल्लिका के फैंस और होस्ट गाने को गाते और झूमते नजर आए। अभिनेत्री ने इस खास पल का वीडियो पोस्ट किया। मल्लिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें होस्ट पहले कहो न कहो गाना गाता है, जिसके साथ मल्लिका और उनके फैंस उत्साह के साथ थिरकने लगते हैं। होस्ट ने भीड़ को और जोश दिलाते हुए सभी को इस गाने को पूरे उत्साह के साथ गाने के लिए प्रेरित किया। माहौल इतना जीवंत था कि पूरा स्टेडियम एक साथ नाचता-गाता दिखाई दिया। मल्लिका ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, जब मेरे फैंस मेरे साथ कहो ना कहो गाने पर झूमते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है। वो जोश, वो प्यार, वो मस्तीज् पूरा स्टेडियम जैसे साथ नाच रहा हो। आपका प्यार ही है जो मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है, हमेशा। कहो न कहो गाना साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म मर्डर का है। इस गाने को आमिर जमाल ने गाया है, जबकि इसके बोल सैय्यद कादरी ने लिखे और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म इमरान हाशमी के करियर की पहली हिट फिल्म मानी जाती है, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म का निर्माण मुकेश भट्ट ने किया था, और यह उस समय की सुपरहिट थ्रिलर फिल्मों में से एक थी। मल्लिका ने मर्डर, ख्वाहिशें, बचकर रहना रे बाबा, डर्टी पॉलिटिक्स, गुरु, वेलकम, प्यार के साइड इफेक्ट्स, डबल धमाल, और जीनत जैसी कई शानदार फिल्में दीं। इसी के साथ वह हॉलीवुड फिल्म द मिथ, पॉलिटिक्स ऑफ लव, और टाइम रेडर्स में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्हें राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था।

कृति सेनन की हल्दी रस्म में लहूलूहान होकर पहुंचे धनुष, तेरे इश्क में का टीजर कर देगा इमोशनल

फिल्मी दुनिया में जब भी कोई बड़ा नाम और नया प्रोजेक्ट सामने आता है, तो दर्शकों की उम्मीदें अपने आप बढ़ जाती हैं। खासतौर पर जब ये नाम आनंद एल रॉय का हो, जिन्होंने सिनेमा को रांझणा जैसी यादगार फिल्म दी। आनंद एल रॉय फिर से अपनी नई फिल्म के जरिए पर्दे पर जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। वह तेरे इश्क में नामक फिल्म लेकर आ रहे है। इस फिल्म में उन्होंने दो बड़े सितारों धनुष और कृति सेनन को कास्ट किया है। इस फिल्म को देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मेकर्स ने बुधवार को फिल्म का टीजर जारी किया। तेरे इश्क में में एक ऐसी प्रेम कहानी है जो आनंद एल रॉय की पिछली फिल्मों से थोड़ी अलग है। धनुष इस फिल्म में शंकर नाम के किरदार में नजर आएंगे, जो वायुसेना में अधिकारी है। उनकी भूमिका को देखकर लगता है कि फिल्म में देशभक्ति के साथ-साथ प्यार की एक नई कहानी पेश की जाएगी। वहीं कृति सेनन मुक्ति के रोल में दिखेंगी, जो इस कहानी का दूसरा बड़ा हिस्सा हैं। इस जोड़ी की केमिस्ट्री पर लोगों की नजरें टिकी हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकार अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। फिल्म का टीजर रोमांस और भावनाओं से भरपूर है। टीजर की शुरुआत में शादी का माहौल दिखाया जाता है, जिसमें कृति सेनन की हल्दी रस्म होती है। इस रस्म में मौजूद सभी लोग नाच-गाने कर रहे होते हैं और कृति को हल्दी लगाते हैं। इस बीच सामने से धनुष घायल अवस्था में चलते हुए आते है, जिसे देख कृति हैरान रह जाती है। कृति के पास आकर धनुष कहते है, नई जिंदगी शुरू कर रही है, पुराने पाप को धो ले। इसके बाद वह उनके चेहरे पर गंगाजल डाल देते हैं। इसके बाद अरिजीत सिंह की आवाज में फिल्म के टाइटल ट्रैक की कुछ लाइनें सुनाई देती हैं। तेरे इश्क में फिल्म 28 नवंबर को हिंदी और तमिल भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैमरे के सामने रहती हूं बिल्कुल सहज : शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने ब्लॉकबस्टर मूवी अर्जुन रेड्डी से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। यह उनके करियर में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में शालिनी पांडे ने अपनी एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने इस दौरान बताया कि वह कैमरे के सामने बिल्कुल सहज रहती हैं और यही उनके अभिनय का मूल मंत्र है। जब उनसे पूछा गया, क्या आपकी प्रतिभा स्वाभाविक है, या इसके लिए आपने मेहनत की है? इस सवाल पर शालिनी पांडे ने जवाब दिया, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह स्वाभाविक प्रतिभा है या नहीं, लेकिन मैं बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखती थी। कैमरे के सामने मैं बहुत सहज रहती हूं, खासकर जब मैं खुद शालिनी नहीं, बल्कि कोई दूसरा किरदार निभा रही होती हूं। संवाद मिलने और किसी और के रूप में ढलने पर मुझे सबसे ज्यादा सुकून और आत्मविश्वास मिलता है। शायद यही वजह है कि यह स्वाभाविक लगता है, क्योंकि अभिनय मेरा सबसे सुरक्षित और पसंदीदा ठिकाना रहा है। इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि सीखने के लिहाज से मेरा सफर सचमुच अद्भुत रहा है। पहली ही फिल्म में मैंने जिन लोगों के साथ काम किया, वह जिस तरह की फिल्म थी और जो लोग उस फिल्म में मेरे साथ खड़े रहे, उन्होंने मेरे सफर को बहुत खास बना दिया। उन्होंने आईएएनएस से आगे कहा, पहली ही फिल्म में मुझे बहुत अच्छे अभिनेताओं और निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला है, जिससे मैं सचमुच धन्य महसूस करती हूं। उसके बाद से मैंने जितने भी प्रोजेक्ट किए हैं, वो कमाल की टीम के साथ किए हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। बता दें कि शालिनी पांडे ने अर्जुन रेड्डी में एक मेडिकल छात्रा का रोल प्ले किया था। इसमें विजय देवरकोंडा ने लीड रोल प्ले किया था। वह इसके बाद 'डब्बा कार्टल, 'जयेशभाई जोरदार, 'महाराज, और '118 जैसी फिल्म-सीरीज में अपने अभिनय का परिचय दे चुकी हैं।

करीना कपूर ने साझा की अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें, कहा: पहले का फैशन था बिना टेंशन वाला

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फैंस के साथ शेयर की है। यह तस्वीर 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ पहली पंक्ति में बैठी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में वह सिंपल लुक में नजर आ रही हैं, जैसे वह किसी घर की पार्टी में गई हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जब हम अपनी पोलो नेक और जैकेट पहनते थे और आराम से बैठकर अभिनेताओं को अपनी ब्लैक लेडी (अवॉर्ड) का स्वागत करते देखते थे। उन्होंने इसके जरिए यह बताया कि तब के दौर में फैशन कितना सरल और सहज हुआ करता था। आज तो एक स्टार के लुक के लिए पूरी टीम होती है, क्या पहनना है और क्या नहीं, इसकी प्लानिंग कई दिनों पहले से ही की जाती है। तब महंगे स्टाइलिश और डिजाइनर आउटफिट्स का जमाना नहीं था। इसमें उन्होंने अपनी बहन करिश्मा कपूर की फिल्म का गाना आए हो मेरी जिंदगी में भी लगाया है। इस फोटो की खास बात यह है कि इसमें अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे बैठे दिख रहे हैं। उन दोनों ने भी पारंपरिक भारतीय कपड़े पहने हुए हैं। करीना की इस पोस्ट ने फैंस को उन दिनों की याद दिला दी जब करीना कपूर और अक्षय खन्ना की जोड़ी हलचल फिल्म में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान अब अपनी आने वाली फिल्म दायरा में शूटिंग में जुटी हैं। इसे मशहूर फिल्म निर्माता मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी को साथ काम करने को लेकर फैंस अभी से ही बहुत उत्साहित हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इसमें फिल्म के कुछ अहम सीन्स को फिल्माते हुए अभिनेत्री को देखा गया था। इस फिल्म में करीना के अलावा अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। दायरा एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

Mayawati terms IG's tragic end a national reckoning on caste bias, demands impartial probe

AGENCIES

New Delhi: The suicide of senior IPS officer Y. Puran Kumar in Haryana has sparked widespread grief and outrage across the country, particularly among Dalit and Bahujan communities. Mayawati, National President of the Bahujan Samaj Party (BSP) and former Chief Minister of Uttar Pradesh, expressed deep concern over the incident, calling it a national shame and a reflection of the caste-based discrimination still prevalent in India's administrative systems. Kumar, who held the rank of Inspector General, reportedly died by suicide on October 7, 2025, at his residence in Chandigarh. His wife, Amneet P. Kumar, a senior IAS officer in Haryana, has accused top officials of orchestrating a sustained campaign of caste-based harassment and mental torture against her husband. In an eight-page suicide note, Kumar allegedly named senior officers including Haryana DGP Shatrujeet Kapur and Rohtak SP Narendra Bijarniya, detailing years of humiliation and professional sabotage. Following the allegations, the Chandigarh Police registered an FIR and formed a Special Investigation Team to probe the matter. Civil society groups and rights activists have joined the chorus demanding a transparent and impartial investigation, warning against any attempt to reduce the probe into the tragedy to a bureaucratic formality. Mayawati, in a statement posted on her official X handle, said Kumar's death had jolted the conscience of the nation. She emphasised that the incident was not merely a personal loss but a systemic failure, exposing the deep-rooted casteism embedded in institutions meant to uphold justice and equality.

Karnataka police crack cyber crime gang; arrest one, freeze Rs 18 crore

AGENCIES

Davanagere: The Karnataka police have cracked a gang of cyber criminals involved in siphoning off Rs 150 crore in Davanagere city and arrested one of the accused on Saturday, officials said. The authorities have frozen Rs 18 crore in the case. Preliminary investigations have revealed that between July 27 and August 19, deposits amounting to Rs 150 crore were made into the account of the arrested accused, Syed Arafat, 28, a resident of Shantinagar in Belur taluk of Hassan district. The gang had withdrawn Rs 132 crore, while the police have frozen the rest amount, Rs 18 crore. A hunt has been launched for the other two accused. The case was taken up for investigation following a complaint by H.N. Pramod, who reported that Rs 54.16 lakh had been siphoned off from his account in a

reputed bank. A special team led by Dy SP of Davanagere Cyber Crime Police Station, Bankali Nagappa, was formed to investigate the case. Based on information provided by the arrested accused, the team is making efforts to nab the other two culprits. The gang was found to be involved in cyber fraud in Ghaziabad (Uttar Pradesh), Srinagar (Jammu and Kashmir), Eluru (Andhra Pradesh), Mumbai (Maharashtra), Davanagere, and Bengaluru (Karnataka). Police suspect that the gang has been carrying out cyber crimes across the country. Davanagere District SP Uma Prashanth appreciated the efforts of the police team for cracking the case. Talking to IANS, Davanagere SP Uma Prashanth stated, "Constant follow-up and technical analysis helped arrest the accused. The accused is a resident of Hassan district in Karnataka, and we were able to apprehend him." She further appealed, "We are observing Cyber Crime Awareness Month and have taken steps to educate people about cyber crimes. Awareness is always important, as 90 per cent of cybercrime victims are educated. It is crucial to ensure safety measures and use technology responsibly. Last year, a higher number of digital fraud cases were reported, but this year it has reduced quite a bit." "It is not always true that money lost in online fraud is gone forever. Although there are difficulties, our sleuths are well-trained to track such cases.

16-hour blackout: Akhilesh Yadav's Facebook page returns, SP cries foul

AGENCIES

Lucknow: Samajwadi Party (SP) president Akhilesh Yadav's Facebook page was restored on Saturday after remaining inactive for nearly 16 hours, a party spokesperson said. The SP alleged that the temporary suspension of the page was part of a "BJP conspiracy." The page went offline on Friday evening without any prior notice or explanation from Facebook. Initially, party sources attributed the issue to a possible technical glitch, but after receiving no response from the social media platform, they began suspecting foul play.

Soon after the page was reactivated, Yadav made his first post, quoting Lok Nayak Jayaprakash Narayan: "By 'total revolution,' I mean seeing the most oppressed people in society at the pinnacle of power." Though Yadav refrained from commenting on the cause of the suspension, SP sources said the party had raised the matter with Facebook via email. SP spokesperson Dr Ashutosh Verma said an inquiry should determine whether the suspension was due to a technical fault or political interference. "His WhatsApp and other accounts were active, so we need to see if there was a technical flaw. However, this could also be a conspiracy by the BJP," he said.

Maharashtra government suspends farm loan recovery in rain-affected tehsils

AGENCIES

Mumbai: The Maharashtra government has announced relief for farmers who suffered losses due to rains in 34 districts of the state, with steps including rationalisation of loans from cooperatives and suspension of recovery for a year. A government resolution (GR) issued on Friday stated that 347 tehsils in the state witnessed large-scale damage to crops, farmland and houses, deaths, loss of cattle and other animals. The GR announced the rationalisation of loans from cooperatives, suspension of farm loan recovery for a year, and waiving of exam fees for students of Classes 10 and 12 in the affected tehsils. As per the GR, the state agriculture department's assessments have revealed that crops on 65 lakh hectares were damaged due to the rains from June to September.

J-K: LG Sinha pays homage to Army personnel killed in Kokernag anti-terror operation

AGENCIES

Srinagar: Jammu and Kashmir Lieutenant Governor Manoj Sinha laid a wreath and paid homage to Lance Havildar Palash Ghosh and Lance Naik Sujay Ghosh, who laid down their lives for the nation on Saturday. "I salute the supreme sacrifice of our Army Bravehearts, Lance Havildar Palash Ghosh and Lance Naik Sujay Ghosh. The nation shall remain forever grateful to the exemplary valour and selfless service of our soldiers. We stand in solidarity with the families of our martyrs in this hour of grief," the Lieutenant Governor said. Lance Havildar Palash Ghosh and Lance Naik Sujay Ghosh died conducting counter-terror operations in the Kishtwar Range of Kokernag, battling extreme weather conditions, as mentioned in an official statement from the Raj Bhawan. Earlier, the Army's Chinar Corps also paid tribute to the two soldiers, who went missing on the intervening night of October 6 and 7 while confronting a severe snowstorm and whiteout conditions in the mountains of South Kashmir.

Sanjay Raut invites CM Fadnavis to join all-party delegation to meet Maharashtra CEO

AGENCIES

Mumbai: Shiv Sena (UBT) MP Sanjay Raut has invited Chief Minister Devendra Fadnavis to join an all-party delegation scheduled to meet Maharashtra Chief Electoral Officer S. Chockalingam on October 14, ahead of the upcoming local and civic body elections in the state. The delegation will comprise senior leaders, including NCP (SP) chief Sharad Pawar, Shiv Sena (UBT) president Uddhav Thackeray, state Congress president Harshwardhan Sapkal, and MNS founder Raj Thackeray, among others. This will be the first such meeting of opposition and regional leaders following allegations of vote rigging during last year's Assembly elections. In his letter dated October 10, Raut said, "Meeting the Election Commission has now become a formality, yet it is necessary to maintain dialogue with this supreme institution in our democratic system. On October 14 at 12.30 p.m., a delegation of all-party leaders from the state will meet the Chief Election Officer, Chockalingam." He added, "The Chief Minister of the state, Devendra Fadnavis, is requested to participate in this all-party delegation. This is not politics but an effort to save democracy. After the meeting, all leaders will address a press conference at Yashwantrao Chavan Pratishthan. Jai Maharashtra!" The meeting comes as political parties -- including those in the ruling Mahayuti alliance and the opposition Maha Vikas Aghadi -- gear up for elections to zilla parishads, nagar parishads, nagar panchayats, and 29 municipal corporations, including the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC). The Supreme Court, in a recent order, directed the state government and the State Election Commission to complete these elections by January 31 next year. The Election Commission has since accelerated preparations, with the process of inviting suggestions and objections on ward delimitations currently underway. Meanwhile, CM Fadnavis, after meeting BJP office-bearers in Nashik on Friday, said the Mahayuti partners will contest the local body polls together "wherever possible." "However, where allies are equally strong, there will be friendly fights," he clarified, indicating that while a formal alliance between the BJP, Shiv Sena (Shinde faction), and Ajit Pawar-led NCP may not materialize statewide, seat-sharing adjustments could occur at the local level based on individual strengths.

CoBRA commando injured in IED blast in Chhattisgarh's Bijapur

AGENCIES

Raipur: A CoBRA commando sustained minor injuries in an Improvised Explosive Device (IED) blast triggered by Maoists during an area domination operation in the insurgency-hit Bijapur district of Chhattisgarh. The incident occurred near Pujari Kanker under the jurisdiction of Usur Police Station. According to official sources, a team of security personnel from Forward Operating Base (FOB) Pujari Kanker set out early Saturday morning for a routine area domination patrol. While combing the forested terrain, a pressure-activated IED, planted by Maoist insurgents, detonated, injuring one jawan from the elite CoBRA 206 battalion. The injured soldier was promptly evacuated and is being shifted to a higher medical facility for advanced treatment. Authorities confirmed that the commando is in stable condition and out of danger. This incident underscores the persistent threat posed by Maoist guerrillas in the Bastar region, despite intensified counter-insurgency operations and recent surrenders. Chhattisgarh remains one of the epicentres of Maoist insurgency in India, with the movement rooted in decades of socio-economic marginalisation, tribal displacement, and resource exploitation. The Communist Party of India (Maoist), the dominant left-wing extremist group, has historically leveraged local grievances to establish influence across forested districts like Bijapur, Dantewada, and Sukma. At its peak, Maoist presence extended across 18 of Chhattisgarh's 27 districts. The insurgents have relied on guerrilla tactics, including ambushes, landmines, and pressure IEDs, to target security forces and disrupt development efforts. However, sustained anti-Maoist operations have yielded significant breakthroughs in recent years. In a major development earlier this month, 103 Maoists surrendered in Bijapur, citing disillusionment with the movement's ideology and internal rifts. The state's rehabilitation policy, including financial incentives and reintegration support, has encouraged many cadres to abandon arms. Despite these gains, sporadic attacks like Saturday's IED blast highlight the enduring volatility in the region. Security forces continue to adapt their strategies, combining intelligence-led operations with community engagement to dismantle Maoist networks and restore peace. The Chhattisgarh government has reiterated its commitment to both security and development, aiming to neutralise extremist threats while addressing the root causes of insurgency.

Need to differentiate unintentional financial crimes from greed-driven on es: Ex-CJI Sanjiv Khanna

AGENCIES

New Delhi: Former Chief Justice of India Sanjiv Khanna on Saturday said there is probably a need to treat unintentional financial offences differently from the premeditated ones that are driven by greed. Addressing the TPF-Dayitva: National Legal Conference on Combating White-Collar Crime, organised by the Terapanth Professional Forum (TPF) at Bharat Mandapam, Former CJI Khanna said while ignorance of law cannot be a defence against committing a financial crime, "offences committed without malicious intent cannot be equated with offences that are motivated by greed and premeditated". Categorising financial offences in different categories, the Former CJI said that the most serious of the white collar crimes are the ones motivated by greed and include cases of fraud, embezzlement, insider trading, money laundering and bribery or corruption. He said there is a prevailing perception that law enforcement agencies exist to harass rather than help, and this fear prevents people from approaching them, allowing cybercriminals to exploit the situation and harass individuals digitally. "Instead of seeking justice, many end up paying the harassers out of fear," he said, adding, "it's time law enforcement became more approachable and public awareness increased, a two-way process that can truly help address the issue." He described white-collar crime as "an evolving threat that corrodes the moral fabric of society" and called for greater sensitivity in applying financial laws. "Every act or failure to act that has financial implications cannot be painted with the same brush," he said, urging lawmakers to distinguish between intentional fraud, unintentional error, and procedural lapse. He added, "The strength of the justice system lies not in the severity of punishment but in the certainty of justice." Raj Kumar Nahataa, National Convenor, TPF, said, "White collar crime is not a victimless offence.

Every scam robs us of opportunity, every fraud delays our development," He said in this wake there is an urgent need for the professional class to get ready to shoulder new responsibilities by becoming collective whistleblowers, guardians of ethics and protectors of our nation/s moral wealth. Bringing a public health perspective, Dr Poonam Khetrapal, IAS (Retd) and Regional Director Emeritus, WHO South-East Asia Region, said white-collar crime in healthcare is not about money alone; it is about life and trust. "When poor-quality care is knowingly delivered, when the poor are denied treatment despite entitlement, and when safety rules are ignored for profit, it ceases to be negligence.

Chennai to remove caste names from 3,400 streets before November 19

AGENCIES

Chennai: The Greater Chennai Corporation (GCC) has begun a massive drive to remove caste-based names from at least 3,400 streets across the city, replacing them with names of leaders, flowers, or other socially neutral terms. The initiative follows a Tamil Nadu government directive instructing all local bodies to identify and rename streets that reflect caste identities. Superintending Engineer (Bus Route Roads) N. Thirumurugan said the GCC has asked the Revenue Department to verify and finalise the list of such roads based on official road registers. "We will finalise the list by Monday," he said. Deputy Mayor Mahesh Kumar said that of the city's 35,000 roads and streets, around 3,400 carry caste names. "In the core city areas, most caste names were removed before 2011. The remaining stretches are largely in the seven newly added zones, which were earlier municipalities. All these will be renamed before the November 19 deadline," he said. Once the list is finalised, councillors will be directed to conduct area sabha meetings in their respective wards to decide on new names through public consensus. "The roads will be renamed based on local residents' decisions. We are issuing a circular to all councillors shortly," the Deputy Mayor added. Officials explained that the renaming process would follow a clear pattern: if a road name includes a caste surname, it will be shortened into an initial; if the entire name denotes a caste, it will be replaced with the name of a leader or a flower. In cases where the caste name is used as a suffix, only that portion will be removed. Chennai has already seen several such changes in recent years.